दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

3 घंटे में जननायक......

आईवीएफ से बदल गया ...

वर्ष : 12 | अंक : 211 | लखनऊ, 25 जुलाई, शनिवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

भारी हंगामे के बीच फिर नहीं चल पाई संसद सोमवार तक के लिए स्थगित

सरकार ने राज्यसभा में पेश किया वंदे मातरम बिल, अब किसी तरह की रुकावट या अपमान करना होगा दंडनीय अपराध, होगी 3 साल की सजा

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/ नई दिल्ली,

संसद के मानसून सत्र में सरकार ने राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया। विपक्ष की नारेबाजी के बीच यह विधेयक पेश किया गया। इस विधेयक का उद्देश्य राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' में किसी भी तरह की रुकावट डालने या उसका अपमान करने को अपराध की श्रेणी में लाना है।

यह विधेयक राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में बदलाव करेगा। इस कानून में देश के राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान या अनादर करना अपराध माना गया है। इन राष्ट्रीय प्रतीकों में राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान शामिल हैं। मौजूदा कानून के तहत ऐसे अपराध के लिए दोषी पाए जाने पर तीन साल तक की जेल की सजा का प्रावधान है।

राष्ट्रीय महत्व की चीजों का निरादर नहीं कर सकते

विपक्ष अपनी मांगों पर अड़ा रहा, नहीं हो पाई कोई चर्चा

पेपर लीक संशोधन विधेयक को मिली कैबिनेट की मंजूरी

राज्यसभा में हंगामा करते विपक्ष के नेता, नारेबाजी भी की

लोकसभा की कार्यवाही 27 जुलाई तक स्थगित

विपक्ष के नारेबाजी के बीच लोकसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। विपक्षी सांसद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। अब लोकसभा की अगली बैठक 27 जुलाई 2026 को सुबह 11 बजे होगी।

हम चर्चा नहीं करेंगे, तो नहीं जाएगा सही संदेश

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि मैंने फिर केसी वेणुगोपाल से अनुरोध किया है कि जब हम सभी इस बात से सहमत हैं कि नीट पर चर्चा होनी चाहिए, तो हमें चर्चा करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने देश को भरोसा दिया है। सोनम वांगचुक ने अपना अनशन खत्म कर दिया है और चर्चा की मांग की है। अगर हम चर्चा नहीं करेंगे तो देश में सही संदेश नहीं जाएगा।

खरगे का प्रधानमंत्री पर हमला

संसद में बयान दें, एकतरफा मन की बात न करें

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पेपर लीक मामले को लेकर प्रधानमंत्री पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा जब संसद चल रही होती है तो

प्रधानमंत्री को संसद के पटल पर बयान देना होता है, देर रात एक वीडियो बनाकर, संसद के बाहर एकतरफा मन की बात नहीं करनी होती। 'एक्स' पर खरगे ने कहा प्रधानमंत्री संसद आने से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करें। सरकार पहले छात्रों से माफी मांगे और उन लोगों पर सख्त कार्रवाई करे जिन्होंने छात्रों की आवाज दबाने के लिए लाठीचार्ज और पैलेट गन चलाने का आदेश दिया था। इन कदमों के बाद ही विपक्ष शिक्षा व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा के लिए तैयार हैं।

अहंकारी और जवाबदेही से बच रही सरकारः सोनिया

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मोदी सरकार पर शिक्षा व्यवस्था और छात्र आंदोलनों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि छात्र सरकार से जवाबदेही और शिक्षा सुधार की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने जवाब कायरता और बेवजह की क्रूरता से दिया। सरकार छात्रों के साथ ऐसा व्यवहार कर रही है, मानो वे दराष्ट्र के दुश्मन हों। छात्रों के साथ खड़ा होना और उनके भविष्य की रक्षा करना नैतिक, राजनीतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है। सरकार की अहंकारी तथा जवाबदेही से बचने वाली कार्यशैली ने छात्र आंदोलनों को जन्म दिया है।

अय्यर की इंट्रीः छात्रों को निडर होना सिखा रहे

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने शुक्रवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शन में अपनी पत्नी सुनीत अय्यर के साथ पहुंचकर हिस्सा लिया। मीडिया से बात करते हुए अय्यर ने कहा कि वे यहां सीखने आए हैं और प्रदर्शनकारी छात्र देश को निडर होना सिखा रहे हैं।

डीयू के बाद जेएनयू ने जारी की एडवाइजरी-प्रदर्शनों में जाने से बचें

डीयू के बाद जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने सीजेपीके बैनर तले चल रहे छात्रों के प्रदर्शन के बीच एडवाइजरी जारी की है। जेएनयू ने अपने शिक्षकों और छात्रों को सलाह देते हुए कह कि वह अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा को प्राथमिकता दें। विश्वविद्यालय ने उच्चतम न्यायालय के सार्वजनिक प्रदर्शनों संबंधी निर्देशों का हवाला दिया है। हितधारकों को जंतर मंतर, नई दिल्ली पर होने वाली सभाओं में शामिल होने से मना किया गया है।

नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन भी बंद

दिल्ली मेट्रो ने मेट्रो स्टेशनों में से एक नई दिल्ली को भी बंद कर दिया है। अगले आदेश तक नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन बंद कर दिया गया है। इस मेट्रो स्टेशन पर इंटर चेंज की सुविधा भी उपलब्ध नहीं होगी।नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन भारतीय रेलवे के नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के ठीक बाहर है।

सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दिया भरोसा

छात्रों के हितों की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठा रहे

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वह छात्रों के हितों की सुरक्षा और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के कथित प्रश्नपत्र लीक मामले की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है। केंद्र ने यह दलील याचिकाओं के एक समूह की सुनवाई के दौरान जस्टिस पीएस नरसिम्हा और आलोक आराधे की पीठ के समक्ष दी। न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे कि सब कुछ ठीक से व्यवस्थित हो जाए।

सुप्रीम कोर्ट में 27 को होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने 27 जुलाई को उन याचिकाओं पर सुनवाई के लिए मंजूरी दे दी है, जिनमें पेपर लीक के खिलाफ जंतर-मंतर और देश भर में प्रदर्शनों में शामिल छात्रों के खिलाफ पुलिस पर कार्रवाई का आरोप लगाया गया है।यह मामला मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की पीठ के समक्ष पेश किया गया था।

दिल्ली में सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द

दिल्ली के जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी है। इस विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर पुलिस-प्रशासन की टीम पूरी तरह से मुस्तैद है। आंदोलन को देखते हुए दिल्ली में अगले आदेश तक सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं।

गर्भपात का दावा फर्जी और भ्रामक

दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान सोशल मीडिया पर वायरल गर्भवती महिला पुलिसकर्मी के गर्भपात का दावा फर्जी और भ्रामक है। दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया कि घायल महिला अधिकारी न तो विवाहित है और न ही गर्भवती।

खबर संक्षेप

दिल्ली विस, सचिवालय को उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों को दिल्ली विधानसभा,

सचिवालय और पुलिस मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस और खुफिया एजेंसियां जांच कर रही हैं। शहर में हाई अलर्ट जारी किया गया है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

भाजपा में शामिल हो गए मृत्युंजय तिवारी

पटना। कुछ दिन पहले आरजेडी से इस्तीफा देने वाले मृत्युंजय

तिवारी भाजपा में शामिल हो गए हैं। भाजपा दफ्तर में कार्यक्रम में मृत्युंजय तिवारी को बाजपाकी सदस्यता दिलाई गई। उन्होंने 16 जुलाई को आरजेडी के सभी पदों से इस्तीफा दिया था। उन्होंने कहा कि आरजेडी में सम्मान नहीं मिल रहा था।

केंद्र ने जारी किए 25.89 करोड़ सॉइल हेल्थ कार्ड

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बताया कि सॉइल हेल्थ कार्ड स्कीम के

तहत अब तक 25.89 करोड़ से अधिक सॉइल हेल्थ कार्ड जारी किए जा चुके हैं।

केंद्र सरकार ने आंध्र-कर्नाटक आर्थिक गलियारे को दी हरी झंडी

इससे औद्योगिक विकास को नई रफ्तार मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों में ज्यादा तेजी आएगी

इस महात्वाकांक्षी पहल के लिए 4,294 करोड़ के भारी-विश को मंजूरी मिली है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा इस फैसले से दोनों राज्यों में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी।

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के बीच एक बेहद महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारे के विकास को हरी झंडी दे दी है। इस महात्वाकांक्षी पहल के लिए कुल 4,294 करोड़ रुपए के भारी-भरकम निवेश को मंजूरी मिली है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट के इस फैसले से दोनों राज्यों में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। वैष्णव ने जानकारी दी कि इस योजना के तहत दो प्रमुख परियोजनाओं पर काम किया जाएगा। पहली परियोजना बल्लारी-गुंटकल के बीच तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के निर्माण की है, जिसके लिए 1,264 करोड़ का बजट रखा गया है। यह रेलवे लाइन माल ढुलाई की क्षमता में बड़ा इजाफा करेगी। वहीं दूसरी प्रमुख परियोजना भव्य रसायन योजना है, जिसके लिए 3,030 करोड़ आवंटित किए गए हैं। यह पहल क्षेत्र में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देने में मदद करेगी।

परियोजना से जुड़ी 5 बड़ी बातें

- **कुल बजट आवंटनः** आंध्र-कर्नाटक कॉरिडोर के लिए केंद्र सरकार ने 4,294 करोड़ के कुल निवेश को मंजूरी दी।
- **रेलवे लाइन विस्तारः** बल्लारी-गुंटकल मार्ग पर तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के लिए 1,264 करोड़ खर्च होंगे।
- **भव्य रसायन योजनाः** औद्योगिक रफ्तार बढ़ाने वाली इस योजना के लिए 3,030 करोड़ की राशि निर्धारित की गई है।
- **भारी रोजगार सृजनः** निर्माण और परिचालन के दौरान करीब 31 लाख मानव-दिवस का रोजगार उत्पन्न होगा।
- **अतिरिक्त माल ढुलाईः** इससे प्रति वर्ष 1.6 करोड़ टन अधिक माल की आवाजाही हो सकेगी।

इसके लिए 4,294 करोड़ के भारी-भरकम निवेश को मंजूरी

इससे बदलेगी तस्वीर

उद्योगों को होगा बड़ा फायदा

यह आर्थिक गलियारा बल्लारी-होसपेट क्षेत्र के स्टील और सीमेंट क्लस्टरों के लिए बेहद मददगार साबित होगा। इससे भारी उद्योगों के कच्चे माल और तैयार उत्पादों का परिवहन काफी तेज और आसान हो जाएगा। यह प्रमुख समुद्री बंदरगाहों और प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों तक पहुंच को भी सुगम बनाएगा। हर साल 1.6 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई होगी।

कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन घटेगा

यह परियोजना न केवल आर्थिक दृष्टिकोण से बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी एक मिसाल कायम करेगी। इस गलियारे के शुरू होने से हर साल करीब 6.67 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम होगा।

कैबिनेट ने 'भव्य रसायन' योजना को दी स्वीकृति

देश में बनेंगे 3 केमिकल पार्क, बुनियादी सुविधाएं बढ़ेंगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में तीन समर्पित केमिकल पार्क स्थापित करने के लिए 'भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन (भव्य रसायन)' को मंजूरी दे दी है। इस योजना की घोषणा वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में की गई थी।

निर्यात बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम होगी

भव्य रसायन योजना से रसायन उद्योग की पूरी मूल्य श्रृंखला को बढ़ावा मिलेगा। उद्योगों का विकास होगा, संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी। इससे आयात पर निर्भरता कम होगी।

इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे

यह योजना पर्यावरण-अनुकूल औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा देगी। पार्कों में कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट, ट्रीटमेंट होंगे। रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

दिल्ली हाई कोर्ट का ईसी से सवाल

आर्टिकल 324 की आड़ में आप मनमर्जी नहीं कर सकते

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर से संबंधित कार्य के लिए स्कूली शिक्षकों को तैनात करने के मामले में चुनाव आयोग पर सवाल उठाया है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की पीठ ने पूछा कि क्या चुनाव आयोग संविधान के अनुच्छेद 324 का सहारा लेकर अपनी मनमर्जी कर सकता है। इसकी आड़ में आप जो चाहें वो करते हैं? कोर्ट ने कहा कि किसी को आपके मानदेय या मुआवजे में कोई दिलचस्पी नहीं है। क्या आपके निर्देशों को अनिवार्य कहा जा सकता है? क्या आप कह सकते हैं कि नहीं, हम मुआवजा दे रहे हैं। वह किस अधिकार के तहत स्कूल शिक्षकों को एसआईआर में काम करने का निर्देश दे रहा है।

शक्ति का उदारतापूर्वक प्रयोग करना चाहिएः ईसी

चुनाव आयोग की ओर से अधिवक्ता संजय वशिष्ठ पेश हुए। उन्होंने तर्क दिया कि दिल्ली में एसआईआर प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है और केवल 10-14फीसदी स्कूली शिक्षकों को ही मतदाता सूची संशोधन कार्यों में लगाया जाता है। वशिष्ठ ने कहा कि कर्मचारियों को नियुक्त करने की आयोग की शक्ति लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 13बी (2) से प्राप्त होती है और किसी भी असुविधा से बचने के लिए इस शक्ति का उदारतापूर्वक प्रयोग किया जाता है।

ओपेन एआई मॉडल को ट्रेन करने के लिए कॉपीराइट कंटेंट का इस्तेमाल उल्लंघन नहीं, आवेदन खारिज

दिल्ली हाईकोर्ट ने चैटजीपीटी की संस्थापक ओपनएआई इंक के खिलाफ दायर कॉपीराइट उल्लंघन के मुकदमे में अंतरिम निषेधाज्ञा आवेदन को खारिज कर दिया। जस्टिस अमित बंसल ने कहा कि उन्होंने क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र के मुद्दे पर एएनआई के पक्ष में फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा, कॉपीराइट वाले कंटेंट को संजोकर रखने और उनकी ट्रेनिंग में कॉपीराइट को कोई उल्लंघन नहीं माना जा सकता। मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि चैटजीपीटी की ओर से दिए गए आउटपुट धारा 51 के तहत कॉपीराइट उल्लंघन नहीं है, क्योंकि ओपन एआई की ओर दिए गए आउटपुट एएनआई के आउटपुट से एकदम मिलते-जुलते नहीं थे।

अतिक्रमण के विवाद को लेकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र के हसनखेड़ा मजरा भटगांव निवासी गुन्ना ने गांव के ही चंद्रपाल मनीष और मालती पर अतिक्रमण के विवाद को लेकर गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। गुन्ना पुत्र स्वर्गीय कन्हई कश्यप का कहना है कि 22 जुलाई को दोपहर करीब एक बजे वह गांव स्थित अपने घर के बाहर मौजूद था। इसी दौरान गांव के चंद्रपाल, मनीष और मालती वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर तीनों ने मिलकर उसे जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से मारापीटा। शोर सुनकर उसका बेटा रोहन बचाने पहुंचा तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना में घायल गुन्ना ने प्राथमिक उपचार कराने के बाद थाने पहुंचकर मामले की तहरीर दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मजदूर की अचानक तबियत बिगड़ने से मौत,

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के एक मजदूर की अचानक हालत बिगड़ गई। परिजनों ने उसे सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक सरोजनी नगर के शांति नगर निवासी राजकुमार (40) अविवाहित होने के साथ अपने बड़े भाई रामकुमार व भाभी के अलावा उनके बच्चों के साथ रहकर मजदूरी करता था। राजकुमार काफी दिनों से बीमार चल रहा था। गुरुवार रात सभी लोग खाना खाकर घर में सो गए। तभी शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे अचानक राजकुमार की हालत अधिक बिगड़ गई। आनन-फानन परिजनों ने उसे तड़के करीब 4:30 बजे सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया। लेकिन वहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में पता चला है कि राजकुमार शराब के नशे का आदी था। लेकिन उसकी मौत किस वजह से हुई, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही उसकी मौत का सही कारण पता चल सकेगा। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

विद्युत करंट की चपेट में आकर गाय की दर्दनाक मौत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा के अंदपुर देव गांव में बिजली विभाग की लापरवाही से एक गाय की विद्युत करंट की चपेट में आकर दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना पुलिस और विद्युत अधिकारियों को दी गई। सूचना के बाद विद्युत कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर गाय को जमीन में दफना दिया। जबकि विद्युत लाइन अभी भी लोगों के सामने बड़ा खतरा बनी हुई है। सरोजनी नगर स्थित गहरु पावर हाउस से बंथरा के अंदपुर गांव में विद्युत सप्लाई होती है। अंदपुर में विद्युत ट्रांसफार्मर से तुलसीराम लोधी व दो अन्य निजी नलकूप के लिए करीब 500 मीटर विद्युत लाइन लंबे समय से बांस बल्लियों के सहारे संचालित हो रही है। गुरुवार शाम तेज हवा और बारिश के कारण इसी विद्युत लाइन की एक बल्ली टूट कर झुक गई। इससे 440 वोल्टेज विद्युत लाइन के तार जमीन से करीब 5 फीट के नजदीक आ गए। उस दौरान शाम को तुलसीराम की एक गाय वही घास चर रही थी। तभी वह उक्त विद्युत तारों की चपेट में आ गई औ रकरंट लगने से उसने मौके पर ही तड़प तड़प कर दम तोड़ दिया। बाद में खेतों में काम कर रहे लोगों ने इसकी सूचना तुलसीराम को दी। इसके बाद तुलसीराम ने पावर हाउस और पुलिस को घटना से अवगत कराया। घटना के बाद विद्युत पावर हाउस से पहुंचे विद्युत कर्मियों ने उसे दूर जमीन में गड्ढा खोदकर गाय को वहीं दफना दिया और चले गए।

न्यायालय के आदेश पर चार वांछित वारंटी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

फरार वारंटी पुलिस की गिरफ्त में

लखनऊ। न्यायालय से जारी वारंटों के अनुपालन में रहीमाबाद पुलिस ने शुक्रवार को विशेष अभियान चलाकर चार वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपियों को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, एसीजेएम (जे.डी.) लखनऊ न्यायालय से जारी वारंटों के अनुपालन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर ग्राम बरगदी निवासी मंशाराम, रसूलाबाद निवासी गगन रावत, मुड़ियारा निवासी राजू और गौंदा निवासी अच्छेलाल को गिरफ्तार किया। चारों आरोपी अलग-अलग मामलों में न्यायालय से जारी वारंटों में वांछित चल रहे थे। इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। उन्होंने कहा कि फरार वारंटियों की तलाश लगातार जारी है और उनके विरुद्ध भी जल्द ही प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। इंस्पेक्टर ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई पुलिस की प्राथमिकता है। न्यायालय से जारी वारंटों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र में लगातार दबिश दी जा रही है, ताकि कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने की यूपी के आईएसएसए मॉडल की सराहना

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली / लखनऊ। कर्तव्य भवन, नई दिल्ली में शुक्रवार को भारत सरकार की इंटीग्रेटेड स्कीम इन स्कीलिंग आर्किटेक्चर (आईएसएसए) के अंतर्गत देश के 5 राज्यों आंध्र प्रदेश, ओडिशा, असम, बिहार और उत्तर प्रदेश द्वारा केंद्रीय वित्त मंत्री के समक्ष अपने-अपने राज्यों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। उत्तर प्रदेश की ओर से प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग डॉ. हरिओम ने योगी सरकार के एकीकृत कौशल विकास मॉडल का प्रस्तुतीकरण किया। इसमें विद्यालयी शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा, कौशल विकास, अप्रेंटिसशिप, उद्योग सहभागिता, रोजगार एवं उद्यमिता तक को एकीकृत करते हुए राज्य इंटर्नशिप योजना, कौशल मंदिर, उद्योग आधारित प्रशिक्षण, रोजगार संगम पोर्टल के सुदृढ़ीकरण, करियर काउंसलिंग, अप्रेंटिसशिप विस्तार तथा विद्यालय-उद्योग क्लस्टर मॉडल जैसे नवाचारों का विवरण दिया गया। प्रस्तुतीकरण के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री ने योगी सरकार के समग्र एवं अभिसरण आधारित कौशल विकास मॉडल की भरपूर प्रशंसा की और इसे विभिन्न विभागों के समन्वय से तैयार एक प्रभावी पहल बताया। केंद्रीय वित्त मंत्री ने विशेष रूप से योगी सरकार द्वारा कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों के लिए ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग, इंटर्नशिप एवं इंडस्ट्री विजिट को प्रोत्साहित करने के सुझाव की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर पर उद्योगों से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। साथ ही आईटीआई शिक्षा में अंग्रेजी भाषा को क्वालिफाइंग विषय के रूप में लागू करने के सुझाव को संचार कौशल और रोजगार क्षमता बढ़ाने वाला दूरदर्शी कदम बताया। केंद्रीय वित्त मंत्री ने योगी सरकार की महत्वाकांक्षी एक जनपद एक उत्पाद योजना की भी विशेष प्रशंसा की और इसे स्थानीय उद्योगों, पारंपरिक उत्पादों एवं रोजगार सृजन को बढ़ावा देने वाला सफल मॉडल बताते हुए कौशल विकास कार्यक्रमों के साथ इसके समन्वय की सराहना की।

मनरेगा में अनियमितताओं पर संयुक्त आयुक्त संजय कुमार पाण्डेय निलंबित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने मनरेगा से जुड़े मामलों में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए संयुक्त आयुक्त (मनरेगा), ग्राम्य विकास विभाग, उत्तर प्रदेश संजय कुमार पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उनके विरुद्ध वित्तीय अनियमितताओं, भारत सरकार के निर्देशों एवं शासनादेशों के उल्लंघन तथा मनरेगा के विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर उचित पर्यवेक्षण और कार्रवाई न करने के आरोपों के चलते यह कार्रवाई की गई है।

ग्राम्य विकास विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में यह कार्रवाई की गई है। संजय कुमार पाण्डेय पर जनपद उन्नाव में उपायुक्त (स्वतः रोजगार), राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के पद पर तैनाती के दौरान वित्तीय अनियमितता के मामले में प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने का आरोप है। इसके अतिरिक्त, उनके द्वारा मनरेगा के लोकपालों का कार्यकाल 15 मार्च, 2026 को समाप्त होने के बावजूद उसके विस्तार अथवा नवीनीकरण के संबंध में कोई प्रस्ताव या पत्रावली प्रस्तुत नहीं किए जाने तथा संबंधित विशेषज्ञ के विरुद्ध कोई कार्रवाई न किए जाने को भी गंभीर लापरवाही माना गया है। उन पर भारत सरकार के निर्देशों एवं शासनादेशों का उल्लंघन करने तथा मनरेगा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर आवश्यक पर्यवेक्षण एवं कार्रवाई न करने के आरोप भी लगाए गए हैं। निलंबन की अवधि के दौरान संजय कुमार पाण्डेय को कार्यालय आयुक्त, ग्राम्य विकास, उत्तर प्रदेश, लखनऊ से संबद्ध रखा जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999 के नियम-7 के अंतर्गत उनके विरुद्ध विभागीय अनुशासनिक कार्यवाही संस्थित की गई है।

यूपी के सभी वाहन स्क्रैपिंग केंद्रों की होगी जांच

नियमों के उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

- 25 जुलाई से 10 अगस्त तक चलेगा विशेष निरीक्षण अभियान
- भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत होगी कार्रवाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में संचालित पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केन्द्रों की कार्यप्रणाली की व्यापक जांच कराई जाएगी। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने विभिन्न स्रोतों से प्राप्त शिकायतों का संज्ञान लेते हुए परिवहन विभाग के अधिकारियों को वाहन स्क्रैपिंग कार्य की विस्तृत जांच कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मोटर यान (यान स्क्रैपिंग सुविधा का पंजीकरण एवं कार्य) नियम, 2021 तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्धारित मानकों एवं शासनादेशों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित केन्द्रों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

परिवहन मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्य कर रही है। ऐसे में नियमों की अनदेखी अथवा शासन की मंशा के विपरीत किसी भी प्रकार की गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

परिवहन मंत्री के निर्देश पर परिवहन आयुक्त ने प्रदेश के सभी पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केन्द्रों का विशेष निरीक्षण कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए प्रत्येक संभाग में संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) एवं मोटरयान निरीक्षक की संयुक्त टीम गठित की गई है, जो निर्धारित मानकों के अनुरूप केन्द्रों के संचालन की जांच करेगी। अपर परिवहन आयुक्त (राजस्व) आर. के. विश्वकर्मा ने बताया कि यह विशेष निरीक्षण अभियान 25 जुलाई, 2026 से 10 अगस्त, 2026 तक संचालित किया जाएगा।

अभियान के दौरान प्रत्येक वाहन स्क्रैपिंग केन्द्र पर स्क्रैपिंग प्रक्रिया, अभिलेखों के संधारण तथा निर्धारित मानकों के अनुपालन का गहन परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यदि निरीक्षण के दौरान किसी भी केन्द्र पर नियमों, शासनादेशों अथवा निर्धारित प्रक्रियाओं के उल्लंघन या अन्य किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित संयुक्त निरीक्षण टीम विस्तृत तथ्यात्मक आख्या एवं आवश्यक अभिलेखों सहित 11 अगस्त, 2026 तक परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश को अपनी रिपोर्ट उपलब्ध कराएगी। रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने वाले केन्द्रों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

परिवहन विभाग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रदेश में संचालित सभी पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केन्द्र पूर्ण पारदर्शिता, पर्यावरणीय मानकों एवं विधिक प्रावधानों के अनुरूप कार्य करें, जिससे वाहन स्क्रैपिंग की प्रक्रिया सुरक्षित, वैज्ञानिक एवं नियमसम्मत तरीके से संचालित हो सके।

केजीएमयू में पहली रोबोटिक हिस्टेरेक्टॉमी में मिली सफलता

गर्भाशय से असामान्य रक्तस्राव और अत्यधिक मोटापे की समस्या लेकर आयी थी महिला

अमन लेखनी समाचार

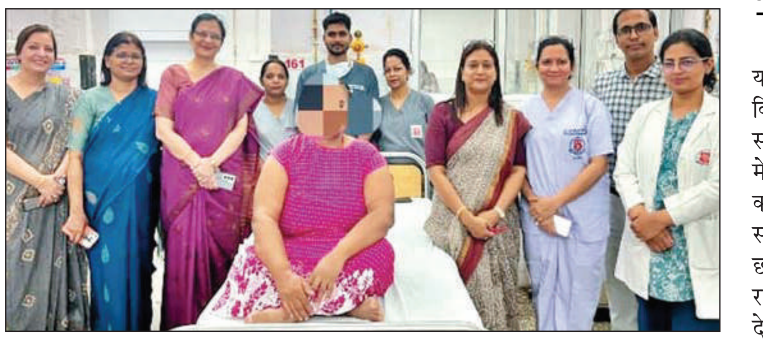

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में पहली बार महिला की गर्भाशय निकालने की सर्जरी हिस्टेरेक्टॉमी रोबोट से की गयी है। बताया गया है कि उत्तर प्रदेश में पहली बार सरकारी क्षेत्र के अस्पताल में संस्थान में रोबोटिक हिस्टेरेक्टॉमी की गयी है। सीएसआर फंड से हुई इस सर्जरी में मरीज को सिर्फ दस हजार खर्च करने पड़े।

गोरखपुर के बट्टावरनगर की रहने वाली 51 वर्षीय महिला असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव और अत्यधिक मोटापे की समस्या लेकर क्वीनमैरी हॉस्पिटल आयी थी। आवश्यक जांचों के बाद महिला का गर्भाशय निकालने के लिए डॉ. अंजू अग्रवाल के नेतृत्व में महिला की रोबोटिक हिस्टेरेक्टॉमी करने की योजना बनायी गयी। इसके बाद 22 जुलाई को सफलतापूर्वक रोबोटिक सर्जरी की गयी। संस्थान द्वारा कहा गया है कि यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि हमारी जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के किसी भी सरकारी संस्थान के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग द्वारा की गयी यह पहली रोबोटिक हिस्टेरेक्टॉमी है।

डॉक्टरों का कहना है कि चूंकि मरीज को अत्यधिक मोटापा था, इसलिए रोबोटिक सर्जरी का विकल्प चुनने से उन्हें जल्दी ठीक होने में मदद मिली। मरीज की रिकवरी अच्छी हो रही है और उन्हें जल्द ही छुट्टी दे दी जाएगी।

सर्जरी करने वाली टीम में डॉ. स्मृति अग्रवाल, डॉ. शालिनी सिंह, डॉ. अनन्या और डॉ. शाम्भवी, एनेस्थीसिया विभाग की डॉ. विनीता, डॉ. नीलकमल, डॉ. निधि सिंह और डॉ. गोविंद अग्रवाल तथा सिस्टर निथा, रीता, मुस्कान और नेहा और मनीष शामिल थे। इस उपलब्धि के लिए कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने पूरी टीम को बधाई देते हुए भविष्य में भी सफलता की कामना की।

सपा 26 को मनायेगी संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस : अखिलेश

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि पार्टी ने आरक्षण दिवस 26 जुलाई को संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस के रूप में भी मनाने का विनम्र निर्णय ले रखा है क्योंकि इसी दिन महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा संकल्पित आरक्षण को कोल्हापुर के राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने अपने कोल्हापुर राज्य में लागू किया था। इसी दिन आरक्षण देने का शुभारंभ हुआ था।

उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की भावना को आरक्षण के रूप में इसी दिन अमल में लाया गया था, जो आगे चलकर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के सद्प्रयासों से हमारे संविधान में एक जनाधिकार के रूप में सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने का मूल आधार बना और देश में लोकतंत्र की स्थापना का मूल सिद्धांत भी। इसके लिए हर वर्ष 26 जुलाई से अधिक ऐतिहासिक अवसर और क्या हो सकता है क्योंकि विचार को सही में लागू करना ही तो सबसे बड़ा और प्रभावशाली उदाहरण होता है, जो राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने इस दिन लागू करके दिखलाया था।

इसी परिप्रेक्ष्य में इस वर्ष भी 26 जुलाई को पूरे उत्तर प्रदेश और देश में समाजवादी पार्टी संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस का आयोजन कर रही है। इस दिन सपा के मुख्यालय व सभी कार्यालयों में एक सादगीपूर्ण समारोह में भारत के संविधान की प्रति के सानिध्य में संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस आयोजित किया जाएगा। इसके पीछे मूल भावना यही है कि संविधान-मानस्तंभ वस्तुतः पीडीए-प्रकाशस्तंभ के रूप में हमारे सामाजिक न्याय के राज की स्थापना के संकल्प का मार्ग सदैव प्रकाशित और प्रशस्त करता रहे। जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा। संविधान ही ढाल है, संविधान ही कवच है। संविधान ही गैर-बराबरी को दूर कर समता और समानता की रक्षा करता है तथा एक सूत्र में बंधे बंधु राष्ट्र के निर्माण के महान संकल्प को पूरा करने का एकमात्र मार्ग है।

परीक्षाफल के आधार पर एकेटीयू ने कॉलेजों की जारी नहीं की कोई रैंकिंग

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) ने वर्तमान सत्र में संबद्ध संस्थानों के लिए परीक्षाफल के आधार पर किसी तरह की रैंकिंग जारी नहीं की है। जबकि कतिपय संस्थान नये सत्र में छात्रों का प्रवेश लेने के लिए अपने स्तर से रैंकिंग बढ़ाते हुए शीर्ष संस्थान बताने का भ्रमक प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। इससे न केवल छात्र बल्कि अभिभावक भी गुमराह हो रहे हैं। विश्वविद्यालय ने अपने सभी संबद्ध संस्थानों से परीक्षाफल से संबंधित कोई भी बयान मीडिया में जारी न करने की अपील की है। ऐसा करने पर विश्वविद्यालय संबंधित संस्थान के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही करेगा।

अज्ञात लोगों ने बाइक सवार युवक से छीना मोबाइल, रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में बीते दिनों बाइक सवार युवक से कुछ अज्ञात लोगों ने मोबाइल फोन छीन लिया और फरार हो गये। इस मामले में सरोजनी नगर के गंगा नगर, अमौसी निवासी मुकेश कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। मुकेश का कहना है कि 17 जुलाई की रात करीब 10:30 बजे वह अपनी बाइक से ट्रांसपोर्ट नगर स्थित मां दुर्गा प्लास्टिक कंपनी में माल पहुंचाने गया था। माल देने के बाद जब वह घर लौट रहा था, तभी कंपनी के पास रास्ते में कुछ अज्ञात बदमाशों ने उसका वनप्लस नॉर्ड सीई 2 लाइट मोबाइल फोन छीन लिया और मौके से फरार हो गए। पीड़ित का कहना है कि घटना इतनी तेजी से हुई कि वह आरोपियों की पहचान नहीं कर सका। बाद में 18 जुलाई को पीड़ित ने थाने पहुंचकर घटना की लिखित तहरीर दी। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच करने के बाद तहरीर के आधार पर गुरुवार को रिपोर्ट दर्ज कर घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर बदमाशों की पहचान करने का प्रयास शुरू कर दिया है।

युवाओं के भविष्य के साथ राजनीति नहीं होनी चाहिए: पंकज चौधरी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने नीट क्वालीफाइड छात्रों और अभिभावकों से की मुलाकात

अमन लेखनी समाचार

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, यह समय राजनीति का नहीं, छात्रों की समस्याओं के समाधान का है

लखनऊ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी से शुक्रवार को नीट परीक्षा में सफल विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावको ने भेंट की। पंकज चौधरी ने अपने राजधानी लखनऊ स्थित आवास पर नीट क्वालीफाइड छात्रों का स्वागत किया तथा उनकी सफलता पर उनको बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छात्र ही राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है और देश के भविष्य के निमार्ता हैं। उन्होंने कहा कि छात्र किसी पक्ष व विपक्ष के नहीं होते, बल्कि उनका एक मात्र ध्येय अपने लक्ष्य को प्राप्त करना और राष्ट्र के विकास में अपनी रचनात्मक भूमिका सुनिश्चित करना होता है। यही छात्र शक्ति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विकसित भारत निर्माण के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ, देश के भविष्य के साथ राजनीति नहीं होनी चाहिए बल्कि सकारात्मकता के साथ समाधान खोजे जाने चाहिए।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता छात्रों का हित है और उनके हित में निर्णय लिए जा रहे है। हमारी प्रतिबद्धता है कि युवाओं के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बक्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि पेपर लीक एक समस्या है, पिछली सरकारों के समय में भी दर्जनों पेपर लीक हुए है, लेकिन मोदी सरकार में परीक्षा को लीक प्रूफ बनाने के लिए कड़े कानूनी और प्रशासनिक कदम उठायें है। दर्जनों गिरफ्तारियां हुई हैं और पिछले एक महीने में तीन लीक प्रूफ परीक्षाएं आयोजित की गई हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने निर्णय लिया है कि पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को कठोर दण्ड देने के लिए व केस के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाएगा। सभी संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दे दिये गए हैं। विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित रखने के लिए सरकार द्वारा निर्णयों की श्रृंखला में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

चौधरी ने कहा कि यह समय राजनीति का नहीं है बल्कि छात्रों की समस्याओं के समाधान का है। नीट सहित अन्य विषयों पर भी सदन में चर्चा होनी चाहिए और सभी का प्रयास समस्या के समाधान का होना चाहिए। छात्रों और उनसे जुड़े किसी भी मुद्दे का राजनीतिकरण भी नहीं होना चाहिए और अराजकता भी नहीं होना चाहिए। मोदी सरकार की प्रतिबद्धता में छात्र हित है यही कारण है कि मोदी सरकार ने युवा, महिला, किसान और गरीब की उन्नति को सरकार ने अपनी नीतियों के केन्द्र में रखा है। उन्होंने नीट परीक्षा में सफल सभी छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह और लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी उपस्थित रहे।

अजय राय के नेतृत्व में निकला कैंडिल मार्च

दिल्ली में छात्र-छात्राओं के साथ हुए व्यवहार के खिलाफ हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। दिल्ली में लगभग एक माह से देश भर के हजारों छात्रों, छात्राओं और युवाओं द्वारा नीट परीक्षा पेपर लीक सहित सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की जांच कराये जाने, शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर किये जा रहे धरने पर हुए लाठीचार्ज समेत हुए व्यवहार के खिलाफ शुक्रवार को कांग्रेस प्रदेश अजय राय के नेतृत्व में प्रदेश मुख्यालय से गांधी प्रतिमा-जीपीओ हजरतगंज तक कैंडिल मार्च निकालने के लिए सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन आगे बढ़े जिन्हें भारी पुलिस बल द्वारा बैरीकेडिंग लगाकर जबर्दस्ती रोकने का प्रयास किया गया किन्तु सभी कांग्रेसजन माल एवेन्यू कांग्रेस मुख्यालय से निकलकर लोरेटो चौराहा होते हुए लाल बहादुर शास्त्री मार्ग तक पहुंच गये। कैंडिल मार्च का समापन माल एवेन्यू चैराहे पर स्थित भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ।

अजय राय ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी के शासन में 152 महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं, दुःखद तो यह है कि नीट पेपर लीक से 22 छात्रों ने अपनी जान गंवा दी है, लाखों परिवार इस पेपर लीक से आक्रोशित एवं अवसाद में हैं। पूरे देश में युवाओं और छात्रों में भारी गुस्सा है किन्तु प्रधानमंत्री इस सुनियोजित तरीके से हुए पेपर लीक के लिए जिम्मेदार धर्मेन्द्र प्रधान को हटाने के बजाए उनका संरक्षण कर रहे हैं। नीट पेपर लीक की जांच की आंड़ में मामले को दबाने के लिए लीपापोती कर रहे हैं। जिसके विरोध में अपनी मांगों को लेकर हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं और युवा दिल्ली में जिस प्रकार अपनी जान पर खेलकर धरना दे रहे हैं। मोदी सरकार उनकी मांगों को मानने के बजाए उन पर दमनात्मक कार्यवाही कर रही है जिसे कांग्रेस पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी। कांग्रेस पार्टी छात्रों और युवाओं की मांगों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि मोदी ने अपने कार्यकाल में झूठ बोलने के अलावा कुछ नहीं किया। राहुल गांधी के पदचिन्हों पर चलते हुए हम छात्रों और युवाओं की आवाज को दबने नहीं देंगे। धमेन्द्र प्रधान शिक्षा में भ्रष्टाचार के प्रतीक बन चुके हैं, ऐसे में जब तक धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा नहीं हो जाता तब तक उप्र कांग्रेस के लोग सड़क पर संघर्ष करते रहेंगे। इस मौके जिला कांग्रेस अध्यक्ष रूद्रदमन सिंह बबलू एवं शहर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी अपने पदाधिकारियों के साथ मौजूद रहे।

संक्षेप

पानी के निकास को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट दर्ज हुआ मुकदमा

सुमेरपुर, उन्नाव। बारा सगवर थाना क्षेत्र के धानीखेड़ा मे पानी निकासी को लेकर दो पक्षों मे हुए विवाद के बाद पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों पक्षों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया ।थाना क्षेत्र के कस्बा धानीखेड़ा निवासी बदलू सोनी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बुधवार को अपने घर पर चारापानी कर रहा था । पानी निकासी के लिए पाइप डालने को लेकर गांव के ही शैलेश कुमार अपनी पत्नी व बिटिया श्वेता के साथ मिलकर लाठी डंडों व लात घूंसों से मारापीटा बचाने दौड़ी पत्नी सुमन को भी गालियां देते हुए मारा पीटा और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए ।वही विनोद उर्फ शैलेश धानीखेड़ा ने तहरीर देकर बताया कि पानी निकासी के लिए पाइप डालने को लेकर पड़ोसी बदलू पत्नी सुमन के साथ मिलकर घर पर चढ़ाई कर गाली गलौज कर करने लगे । विरोध करने पर मारापीटा । जिससे शरीर मे चोटें आई । रात 10बजे बदलू व अनुराग सोनी अपने तीन अज्ञात साथियों के साथ मिलकर पूजा कर रहे पिता के साथ मारपीट किया ।गुरुवार को सुबह 8 बजे निहालीखेड़ा स्कूल के पास मुझे लातघूंसों से मारापीटा । जिससे शारीरिक चोटें आई । पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया ।थाना प्रभारी धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया कि तहरीर के आधार पर नामजद लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं मे मुकदमा दर्ज किया गया है । जांच कर कार्रवाई की जाएगी ।

अन्ना मवेशियों के आतंक से किसान और राहगीर बेहाल, दुर्घटनाओं का बढ़ा खतरा

उन्नाव। शासन द्वारा अन्ना मवेशियों की समस्या के समाधान के लिए किए जा रहे प्रयासों के बावजूद क्षेत्र में किसानों और राहगीरों को राहत मिलती नहीं दिख रही है। खेतों में फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले अन्ना मवेशी अब सड़कों पर भी वाहन चालकों के लिए बड़ा खतरा बन गए हैं। अजगैन-मोहन मार्ग पर आए दिन बड़ी संख्या में अन्ना मवेशी सड़क घेरकर खड़े रहते हैं,जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। कई वाहन चालक इन मवेशियों से टकराकर घायल भी हो चुके हैं ।किसानों का कहना है कि इस समय धान की रोपाई का मौसम चल रहा है। ऐसे में अन्ना मवेशियों से फसलों की सुरक्षा करना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। ग्रामीणों के अनुसार छोटी पड़रिया, बगहरी,जमालपुर मढ़ी, राजाबाग,भौली, अजगैन,मकूर, नवई, जैतीपुर, धोपा, कोरारा समेत दर्जनों गांवों में अन्ना मवेशियों के झुंड खुलेआम घूमते देखे जा सकते हैं। रात-दिन खेतों की रखवाली करने के बावजूद मवेशी मौका मिलते ही खेतों में घुसकर फसल को भारी नुकसान पहुंचा देते हैं ।ग्रामीणों का आरोप है कि शासन ने गांवों में स्थायी गौशालाएं तो बनवाई हैं, लेकिन उनमें निराश्रित गोवंशों को रखने की व्यवस्था प्रभावी नहीं है और केवल औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। वहीं रात के समय सड़कों पर झुंड के रूप में खड़े अन्ना मवेशियों के कारण वाहन चालकों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ता है।

डीएम ने ली जिला उद्योग बंधु बैठक, गैस टैंकरों पर 15 दिन की सख्त चेतावनी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बंधु की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जनपद में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने और उद्यमियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से मंथन किया गया।

जिलाधिकारी ने औद्योगिक क्षेत्र में लगातार हो रही विद्युत ट्रिपिंग व वोल्टेज की समस्या, निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित प्रकरणों, मगरवारा स्थित जय दुर्गा धर्म कांटा के सामने आनंदेश्वर स्टील के पास क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत व नाली निर्माण तथा औद्योगिक क्षेत्र में सड़क, नाला, स्ट्रीट लाइट व विद्युत जैसी मूलभूत सुविधाओं के विकास पर चर्चा की।

HPCL गैस प्लांट के बाहर सड़क पर गैस टैंकरों के खड़े होने से आमजन को हो रही परेशानी का मुद्दा भी उठा। इस पर नाराजगी जताते हुए डीएम ने अधिकारियों को 15 दिन का समय दिया और कहा कि यदि तय अवधि में व्यवस्था नहीं सुधरी तो सड़क पर खड़े वाहनों को जप्त कर उनके विरुद्ध थाने में मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

बैठक में मै0 एचएमबी प्राइवेट लिमिटेड के स्टांप शुल्क छूट से जुड़े प्रकरण पर कमेटी गठित कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अपर जिलाधिकारी न्यायिक अमिताभ यादव को स्थल का निरीक्षण करने को कहा गया। डीएम ने स्पष्ट किया कि निवेश मित्र के प्रकरण किसी भी दशा में लंबित नहीं रहने चाहिए, क्योंकि इससे सीएम डैशबोर्ड पर जनपद की रैंकिंग प्रभावित होती है। लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने सभी विभागों को उद्योगों की स्थापना व संचालन से संबंधित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए और कहा कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में उद्यमियों ने विद्युत आपूर्ति, भूमि आवंटन, सड़क-नाली निर्माण, साफ-सफाई और विभिन्न विभागीय स्वीकृतियों से जुड़ी समस्याएं रखीं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सभी प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित करने को कहा।

इंडिया गठबंधन के कार्यकताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। पेपर लीक प्रकरण को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों और प्रदर्शनकारियों पर दिल्ली पुलिस द्वारा लाठीचार्ज के विरोध में शुक्रवार को इंडिया गठबंधन के कार्यकताओं ने नगर में पैदल मार्च निकाला। कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए तहसील पहुंचे और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग तथा जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर हुए पुलिस बल प्रयोग की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की गई। विधानसभा प्रत्याशी, पूर्व जिलाध्यक्ष आरती वाजपेई के नेतृत्व में आज इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता नगर के सरदार पटेल चौराहे पर एकत्रित हुए। इसके बाद यहाँ से तहसील तक पैदल मार्च कर मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। पैदल मार्च में समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रत्याशी डॉक्टर मुन्ना अल्वी भी शामिल रहे ।कांग्रेस नेत्री आरती वाजपेई ने कहा कि छात्र छात्राएं विगत एक महीने से जंतर मंतर पर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। भाजपा सरकार ने उनकी नहीं सुनी। बल्कि उल्टे छात्र-छात्राओं को दिल्ली पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्वक मारा पीटा गया। सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता विदुषी वाजपेई ने कहाकि छात्रों को बहुत ही निर्ममता पूर्वक मारा पीटा गया है। जिसमें एक छात्र की मौत भी हो गई है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को जिस प्रकार से घसीटा गया है यह अंग्रेजो के शासन की याद दिलाती है। पटेल चौक पर आंदोलनकारी विद्यार्थी की शहादत के रूप में मोमबत्ती जलाकर शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया गया। पैदल मार्च में कांग्रेस के जिला सचिव संजीव कुमार शुक्ला गुड्डू, ताजुद्दीन अंसारी, अनुज कुमार द्विवेदी, बांगरमऊ ब्लॉक अध्यक्ष पप्पू द्विवेदी, अतुल शुक्ला, संतोष यादव, बबलू यादव, बांगरमऊ नगर अध्यक्ष इकबाल खान, पूर्व सभासद शिबू, फतेहपुर 84 ब्लॉक अध्यक्ष सुशील कुमार पाल, नफीस अहमद, डॉक्टर बुद्धा लाल व शुभम गुप्ता, आदि सहित सैकड़ो लोग शामिल रहे।

युवक के बैंक खाते से 6044 रुपये निकले जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुरवा थाना क्षेत्र के त्रिपुरारपुर गांव निवासी शिवदयाल के बैंक खाते से अज्ञात व्यक्ति ने 6044 रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई और रकम वापस दिलाने की मांग की है ।शिवदयाल का बैंक ऑफ बड़ौदा में बचत खाता है ।इसमें उनकी मजदूरी की कमाई जमा थी। 23 जुलाई को दोपहर करीब 1:20 बजे जब उन्होंने खाते की जानकारी ली तो पता चला कि उनके खाते से 6044 रुपये निकल चुके हैं। शिवदयाल ने बताया कि उन्होंने खुद भी पता करने की कोशिश की, लेकिन पैसा किसने निकाला इसकी जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद वह पुरवा थाने पहुंचे और लिखित शिकायत दी। शिकायत में उन्होंने पुलिस से अनुरोध किया है कि मामले की जांच कर दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाए और उनकी निकाली गई रकम वापस दिलाई जाए। पुरवा थाना प्रभारी भुवन सिंह मौर्य ने बताया कि तहरीर मिल गई है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी

लापता तीन छात्राओं को पुलिस ने कानपुर से सकुशल किया बरामद

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र से गुरुवार को स्कूल गईं तीन किशोरियां अचानक लापता हो गई थीं। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 4 घंटे के अंदर तीनों को कानपुर से बरामद कर लिया। देर रात उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस के अनुसार पखरौरा गांव निवासी अनिल नट की 13 वर्षीय बेटी, रज्जन की 14 वर्षीय बेटी और सफीक की 14 वर्षीय बेटी गुरुवार सुबह 8 बजे खलील नगर स्थित कंपोजिट विद्यालय के लिए निकली थीं। स्कूल की छुट्टी के बाद भी जब वे घर नहीं पहुंचीं तो परिजनों ने काफी खोजबीन की। पता न चलने पर पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही सफीपुर पुलिस ने गांव में पूछताछ और सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू किया। तकनीकी साक्ष्यों से पता चला कि तीनों कानपुर की तरफ गई हैं। इसके बाद पुलिस टीम तुरंत कानपुर नगर पहुंची और इंद्रानगर के बुद्धा पार्क से तीनों को सकुशल बरामद कर लिया। रात 11:30 बजे किशोरियों को उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। छात्राओं के सुरक्षित मिलने परिजनों ने राहत जताई और पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि किशोरियां किन परिस्थितियों में कानपुर पहुंची थीं। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आरोपी के घर पर पुलिस ने कुर्की नोटिस चस्पा कर गांव में कराई मुनादी

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के सकहन राजपूतान गांव में अपहरण के एक मामले में फरार चल रहे वांछित अभियुक्त के घर न्यायालय के आदेश पर कुर्की की कार्रवाई की गई। पुलिस ने अभियुक्त के घर कुर्की नोटिस चस्पा करने के साथ ही गांव में मुनादी भी कराई। शुक्रवार को थाना नौबस्ता, कानपुर नगर में दर्ज अपहरण के मुकदमे में वांछित अभियुक्त योगेंद्र सिंह की लगातार तलाश के बावजूद गिरफ्तारी न होने पर न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पुलिस टीम सकहन राजपूतान गांव पहुंची। यहां पुलिस ने अभियुक्त के आवास पर कुर्की नोटिस चस्पा किया और डुगडुगी बजवाकर मुनादी कराई। इस दौरान ग्रामीणों को न्यायालय के आदेश की जानकारी दी गई तथा अभियुक्त को शीघ्र न्यायालय में उपस्थित होने की चेतावनी दी गई। थाना नौबस्ता में तैनात उपनिरीक्षक गयासुद्दीन ने बताया कि अपहरण के मामले में वांछित अभियुक्त योगेंद्र सिंह की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। न्यायालय के आदेश के तहत कुर्की नोटिस चस्पा कर मुनादी की कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि अभियुक्त की तलाश जारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

कार्यकारिणी अधिवक्ता संघ को ग्राम न्यायालय जज ने दिलाई शपथ

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। पाटन तहसील सभागार में शुक्रवार को बीघापुर उन्नाव बार एसोसिएशन संघ का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ इसमें मुख्य अतिथि ग्राम न्यायालय न्यायाधीश कनिष्क राठौर उपजिलाधिकारी आनंद कुमार नायक न्यायिक उपजिलाधिकारी यादवेंद्र सिंह बैश तहसीलदार गणेश सिंह उप निबंधक बीघापुर प्रभात सिंह उन्नाव अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष गिरीश मिश्रा महामंत्री अनुज बाजपेई आदि लोग उपस्थित थे सबसे पहले मां सरस्वती की प्रतिमा में मुख्य अतिथि न्यायिक जज ने दीप प्रज्वलित किया अधिवक्ता बीघापुर ने आए हुए समस्त अतिथिगणों को अंग वस्त्र सहित फूल मालाओं से स्वागत किया उसके बाद ग्राम न्यायालय न्यायाधीश कनिष्क राठौर ने नई कार्यकारिणी के अध्यक्ष कृष्ण पाल सिंह महामंत्री सुरेश कुमार पटेल वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष दीपक कुमार कृष्ण पाल वर्मा सुदेश चंद तिवारी श्रीपाल अमित मिश्रा को गोपनीयता की शपथ दिलाई इस मौके पर अधिवक्ता संघ के जिला अध्यक्ष गिरीश मिश्रा महामंत्री अनुज बाजपेई उप जिलाधिकारी न्यायिक व प्रशासनिक तहसीलदार ने अपने संबोधन में कहा कि बार और बेंच का सामंजस्य हमेशा बना रहना चाहिए जिससे आई हुई जनता को न्याय मिल सके वहीं उप जिलाधिकारी ने कहा कि हम को क्षेत्र के विषय में व अन्य समस्याओं के विषय में यहां के अधिवक्ता गण हमेशा यह बताने का प्रयास करेंगे कि कहां पर कोई कार्य गड़बड़ हो रहा है जिससे हम उस पर सुधार कर सके वहीं मुख्य अतिथि ने कहा कि ग्राम न्यायालय में हमें अधिवक्ताओं से बहुत सहयोग मिलता है मेरे यहां उन्नाव पुरवा रायबरेली सहित कई जगह की अधिवक्ता वहां पर आते हैं मुझे अपने परिवार का जैसा प्यार और स्नेह मिल रहा है वही तहसीलदार गणेश सिंह ने अपने गीतों के माध्यम से बैठे हुए सभी लोगों के बीच में समा बांध दिया।

दोसर वैश्य महासमिति की बैठक सम्पन्न, पुरवा में बनेंगी तीन नई

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा भारतीय दोसर वैश्य महासमिति की बैठक शुक्रवार को क्षेत्र के कालूखेड़ा कस्बे स्थित लक्ष्मी फर्नीचर हाउस में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता ने की।

बैठक की शुरूआत में ₹झण्डा ऊंचा रहे हमारा₹ गीत के रचयिता एवं पूर्व पार्षद स्वर्गीय श्यामलाल गुप्ता की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर संगठन के विस्तार और मजबूती को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने समाज को एकजुट कर अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने पर जोर दिया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही पुरवा क्षेत्र में संगठन की तीन नई इकाइयों का गठन किया जाएगा।

कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता नंद किशोर गुप्ता, जिला अध्यक्ष लक्ष्मी गुप्ता, महामंत्री ललित गुप्ता, पुरवा अध्यक्ष पंकज गुप्ता, महामंत्री गोविंद गुप्ता, महामंत्री संजय गुप्ता, सचिन गुप्ता, आदर्श गुप्ता, अनिल गुप्ता सहित वैश्य समाज के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पीडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। समाजवादी पार्टी द्वारा शुक्रवार को हसनगंज के एक मैरिज लॉन में पीडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि आगामी चुनाव में पार्टी की जीत के लिए हर कार्यकर्ता को अपने-अपने बूथ को मजबूत करना होगा। पाल ने कहा कि पीडीए ही समाजवादी पार्टी की ताकत है। बूथ स्तर पर मेहनत करके ही हम विरोधियों को मात दे सकते हैं। आप सभी अपने क्षेत्र में लोगों से सीधा संवाद करें और पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाएं ।सम्मेलन के दौरान कार्यकताओं ने भी अपने-अपने विचार रखे और बूथ जिताने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने पर जोर दिया ।इस अवसर पर पूर्व सांसद अन्नू टंडन, जिला अध्यक्ष राजेश कुमार यादव, विधानसभा अध्यक्ष अशोक सिंह गुड्डू, संतराम यादव, मोहान विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी डॉ. आंचल वर्मा, पूर्व विधायक राधेलाल रावत, सेवक लाल रावत, संदीप यादव, राहुल यादव, सल्तनत बहादुर सिंह सहित सैकड़ों सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे ।कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शरद कुमार के नेतृत्व में महिला और पुरुष पुलिस बल तैनात रहा।

दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय में पेश

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना दही पुलिस ने दुष्कर्म के वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 15.07.2026 को थाना दही में मु0अ0सं0 186/26 धारा 64(1)/74/115(2)/352/351(3) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था, जिसमें आरोपी फरार चल रहा था। शुक्रवार 24.07.2026 को प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेन्द्र सिंह व उ0नि0 पंकज कुमार सोनकर ने का0 सचिन कुमार व रि0का0 अजय कुमार के साथ ल्ढ गैस प्लांट चौराहा झझरी के पास से आरोपी फिरोज उर्फ छोटू पुत्र साबिर अली उम्र करीब 29 वर्ष निवासी सिन्धूपुर थाना दही जनपद उन्नाव को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को विधिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे दिव्यांगो ने ब्लाक परिसर में किया धरना प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

औरास, उन्नाव। आवास, राशन कार्ड,शौचालय जैसी मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे दिव्यांगों ने शुक्रवार को ब्लॉक कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर अपनी मांगों को लेकर एक एडीओ एजी को ज्ञापन सौंपा। औरास ब्लॉक कार्यालय पर शुक्रवार को दिव्यांग विकास सोसाइटी के प्रदेश उपाध्यक्ष के नेतृत्व में लगभग दो दर्जन दिव्यांगों ने अपनी मांगों को लेकर ब्लाक मुख्यालय पर धरना पर बैठ गए। जिसकी भनक लगते ही प्रशासन चौकन्ना हो गया सुरक्षा की दृष्टि से वहाँ पुलिस को तैनात कर दिया गया। ब्लाक के अधिकारी कर्मचारियों से गैर जिम्मेदाराना रवैये से परेशान दिव्यांग विकास सोसाइटी के प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष कनौजिया ने अपनी मांगों को लेकर एडीओ (ए जी) अशोक कुमार को अपना ज्ञापन सौंपा ।दिव्यांगों ने बताया कि इसके पहले भी कई बार अपनी मांगों को लेकर ब्लाक के अधिकारियों को ज्ञापन दिया गया था ।जिसकी अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। अभी तक दिव्यांगों को शौचालय,आवास,राशन कार्ड व आयुष्मान कार्ड नहीं मिला हैं ।आरोप है कि ब्लॉक कर्मचारी ब्लॉक में ही बैठकर अपात्र कर देते हैं ।दिव्यांगजन ब्लॉक कार्यालय के चक्कर काटते काटते परेशान हो गए जिस पर धरना प्रदर्शन के लिए मजबूर हुए हैं।

कार ने दो बाइकों व एक कार में मारी टक्कर दो घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के लखनऊ बांगरमऊ मार्ग पर गुरुवार की रात तेज रफ्तार कार चालक ने एक एक कर दो बाइकों में मारी टक्कर जिससे दोनों बाइकें क्षतिग्रस्त व बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया जहां डॉक्टर ने एक की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया है वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना क्षेत्र के गांव बरौंकी निवासी सुरेंद्र 28 पुत्र कल्लू व नरेश 25 पुत्र दुबरी गुरुवार देर रात लखनऊ बांगरमऊ मार्ग पर स्थित गांव सुबहानी खेड़ा के पास स्थित अपने खेत से वापस घर लौट रहे थे तभी लखनऊ बांगरमऊ मार्ग से बरौंकी संपर्क मार्ग पर स्थित वन-विभाग के जंगल के पास बरौंकी की ओर से आ रहे तेज रफ्तार कार चालक ने पहले सुरेंद्र की बाइक में टक्कर मारी फिर नरेश की बाइक में टक्कर मार दी जिसमें दोनों बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए वहीं उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गयी सूचना पर पहुंचे परिजनों ने घायलों को मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने सुरेन्द्र की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया है वहीं कार चालक के खिलाफ पिता कल्लू ने पुलिस को तहरीर दी है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विद्यालय में रसोई घर का ताला तोड़कर चोरों ने पार कर दिया समान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के बिचपरी गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में बीती रात चोरों ने कार्यालय और रसोईघर का ताला तोड़ कर इन्वर्टर, बैटरी, गैस सिलेंडर, भगोना सहित अन्य आवश्यक सामान चोरी कर ले गए ।घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह विद्यालय खुलने पर हुई। विद्यालय का सामान बिखरा देख शिक्षकों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। प्रधानाध्यापिका मंजू मूर्ति शर्मा ने अजगैन कोतवाली में तहरीर दिया है।

सम्पादकीय

अधिक संवेदनशील बने सरकार और विपक्ष

देश में पेपर लीक की घटनाओं को लेकर छात्र कई दिनों से जंतर-मंतर पर आंदोलनरत हैं। वहीं, किसानों ने भी अमेरिका से प्रस्तावित कृषि व्यापार समझौता (इंडिया-यूएस ट्रेड डील) को लेकर दिल्ली के किसान घाट पर महापंचायत का ऐलान किया है। इन आंदोलनों पर सरकार और विपक्ष को और अधिक संवेदनशील होना होगा। हालांकि सरकार द्वारा पेपर लीक के दोषियों पर सख्त कार्रवाई के संकेत मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसे 'घोर पाप' और 'राष्ट्रीय चिंता' का विषय बताया है। एनडीए संसदीय दल की बैठक में उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ कोई खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। हालांकि केवल कार्रवाई की घोषणा भर पर्याप्त नहीं है। छात्रों का विश्वास तभी लौटेगा, जब भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सुरक्षित और समयबद्ध होगी। बार-बार पेपर लीक होने से लाखों युवाओं की मेहनत, समय और मानसिक संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वर्षों तक तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा रद्द होने, दोबारा परीक्षा कराने और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए सरकार को तकनीकी सुरक्षा बढ़ाने, परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही तय करने और दोषियों को शीघ्र एवं कठोर दंड दिलाने की दिशा में निरंतर प्रयास करने होंगे। इससे युवाओं में व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत होगा। वहीं, लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उसकी जिम्मेदारी केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि जनता की वास्तविक समस्याओं को रचनात्मक ढंग से उठाना भी है। छात्रों और किसानों जैसे संवेदनशील वर्गों के मुद्दों पर विपक्ष को तथ्यों के आधार पर सरकार से जवाब मांगना चाहिए और समाधान के लिए सकारात्मक सुझाव भी देने चाहिए। किसानों की चिंताओं को भी गंभीरता से समझने की आवश्यकता है। अमेरिका के साथ प्रस्तावित कृषि व्यापार समझौते को लेकर किसानों के मन में यह आशंका है कि इससे उनकी आय, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), कृषि बाजार और घरेलू उत्पादन प्रभावित हो सकते हैं। यदि किसानों के मन में किसी प्रकार की शंका है, तो सरकार का दायित्व है कि वह उनसे सीधे संवाद करे, समझौते के प्रावधानों की स्पष्ट जानकारी दे और यह भरोसा दिलाए कि किसी भी निर्णय में किसानों के हितों की अनदेखी नहीं होगी। दूसरी ओर, किसानों को भी अपनी मांगों को लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से रखने के साथ-साथ वार्ता को प्राथमिकता देनी चाहिए। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन स्थायी समाधान बातचीत, आपसी विश्वास और सहमति से ही निकलते हैं। सरकार और किसान संगठनों के बीच नियमित संवाद की व्यवस्था बने, ताकि किसी भी विवाद को समय रहते सुलझाया जा सके और टकराव की स्थिति पैदा न हो। युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति और उम्मीद हैं, वहीं किसान देश के अन्नदाता। यदि इन दोनों वर्गों में असंतोष बढ़ता है, तो उसका असर केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक स्थिरता और विकास पर भी पड़ता है। इसलिए सरकार और विपक्ष दोनों को अपने राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर इन वर्गों की भावनाओं, अपेक्षाओं और समस्याओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। जब सरकार, विपक्ष, छात्र और किसान सभी संवाद तथा सहयोग का मार्ग अपनाएंगे, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा और देश का विकास अधिक संतुलित एवं समावेशी बन सकेगा।

मुद्दा

प्रमोद भार्गव

बलूचिस्तान में स्वघोषित आजादी

बलूच नेता मीर यार बलूच और कुछ पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने बलूचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया है। अपना नया झंडा और राष्ट्रगान जारी करते हुए सरकार बना लेने का दावा भी किया है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने 27 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर हत्या कर दी है। इससे बलूच आंदोलन उत्साहित हुआ है और वे जल्द कानूनी रूप में आजादी मिलने की उम्मीद करने लगे हैं। पाक के सामने अब बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि बीएलए को इजरायली खुफिया एजेंसियों से धन, तकनीक और आधुनिक संचार उपकरण मिल रहे हैं। बलूच कार्यकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है।

रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान के नाम से सोशल मीडिया पर एक स्वघोषित बयान और पत्र वायरल हुए हैं, जिसमें बलूच नेता मीर यार बलूच और कुछ पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने बलूचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया है। अपना नया झंडा और राष्ट्रगान जारी करते हुए सरकार बना लेने का दावा भी किया है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने 27 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर हत्या कर दी है। इससे बलूच आंदोलन उत्साहित हुआ है और वे जल्द कानूनी रूप में आजादी मिल जाने की उम्मीद करने लगे हैं।

हालांकि इस हत्याकांड के बाद पाक सेना ने बलूचिस्तान में फ्रंटियर कोर, पुलिस व आतंकवाद निरोधक बल के साथ ऑपरेशन शाबान शुरू कर दिया है। पाक के सामने अब बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि बीएलए को इजरायली खुफिया एजेंसियों से धन, तकनीक और आधुनिक संचार उपकरण मिल रहे हैं। पाक सेना ने लड़ाकों के पास से स्टारलिंग उपकरण जब्त किए हैं। पाक सेना का यह भी आरोप है कि अफगानिस्तान बीएलए को विद्रोही बलूचों ने करीब 85 प्रतिशत बलूचिस्तान की भूमि पर काबिज होने का दावा किया है। बलूच कार्यकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है। यह पाकिस्तान का वह प्रमुख क्षेत्र है, जहां से चीन-पाक आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। इसकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। यही वह क्षेत्र है, जहां अत्यंत दुर्लभ खनिज एवं प्राकृतिक गैसें उपलब्ध हैं। यही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। बलूचिस्तान प्रांत में लंबे समय से स्वतंत्रता की जो लड़ाई चल रही है, वह अब सफलता के शिखर पर है। बलूचिस्तान को नए देश के रूप में मान्यता मिल जाती है तो 1971 के बाद पाकिस्तान की भूमि पर दूसरा बड़ा विभाजन दिखाई देगा। 1971 में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी सेना को सैनिक मदद देकर पाक के दो टुकड़े कर दिए थे। अब बलूच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग करते हुए दिल्ली में बलूचिस्तान का दूतावास खोलने की मांग कर रहे हैं। प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता मीर यार बलूच वहां के लोगों के अधिकारों की वकालत के लिए जाने जाते हैं। बलूचों ने संयुक्त राष्ट्र से बलूचिस्तान में शांति रक्षक बल भेजने और पाक सेना को बलूच सीमा क्षेत्र से बाहर कर देने का आग्रह भी किया है। बलूचों की स्वतंत्रता की संभावना का अहसास पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने भी जताया है। उनका कहना है कि बलूचिस्तान पर अब सेना और सरकार का नियंत्रण ढीला पड़ रहा है। यहां के हालात इतने खराब हैं कि सरकारी मंत्री तक बाहरी सुरक्षा के बिना बाहर नहीं निकल सकते हैं। सेना के जवान अपने ही देश में बंकरों में छिपे हैं। बलूचिस्तान में विद्रोह की आग चरम पर है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी आजादी की मांग करने वाला सबसे पुराना सशस्त्र अलगाववादी संगठन है। यह संगठन पहली बार 1970 में अस्तित्व में आया था। इसने जुल्फिकार अली भुट्टो के कार्यकाल में बलूचिस्तान प्रांत में सशस्त्र विद्रोह का शंखनाद कर किया था। कालांतर में सैनिक तानाशाह जिया उल हक द्वारा सत्ता हथियाने के

बाद बलूच नेताओं के साथ बातचीत हुई, जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम की स्थिति बन गई थी। नतीजतन बलूचिस्तान में सशस्त्र विद्रोह खत्म हो गया था और बीएलए का भी कोई वजूद नहीं रह गया था। किंतु कारगिल युद्ध के बाद सैन्य तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ का तख्तापलट कर सत्ता हथिया ली। इसके बाद मुशर्रफ के संकेत पर साल 2000 में बलूचिस्तान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नवाबमिरी की हत्या कर दी गई और मुशर्रफ ने कुटिल चतुराई बरतते हुए पाक सेना से इस मामले में आरोपी के रूप में बलूच नेता खेरबक्ष मिरी को गिरफ्तार करा दिया। इसके बाद फिनिक्स पक्षी की तरह बीएलए फिर उठ खड़ा हुआ। जगह-जगह हमले शुरू हो गए।

साल 2020 में एकाएक बीएलए की ताकत बढ़ गई और बलूचिस्तान के सरकारी प्रतिष्ठानों तथा सुरक्षाबलों पर हमलों की संख्या बढ़ती चली गई। बीएलए बलूचिस्तान में चीन के प्रभाव को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि चीन बलूचिस्तान की प्राकृतिक संपदा को हड़पने का काम कर रहा है। इसी नजरिए से ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने के साथ एक बड़ा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भी बना रहा है। दरअसल, भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के समय बलूचिस्तान को बलूचों की इच्छा के बिना बंदूक के जोर पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था। जबकि वे स्वयं को एक स्वतंत्र देश के रूप में देखना चाहते थे। अतएव पाक की स्वतंत्रता के समय से ही बलूचों का संघर्ष पाक सरकार और सेना से निरंतर बना हुआ है। बीएलए जब साल 2000 में वजूद में आया था, तब इसके लड़ाकों की संख्या 6000 से भी ज्यादा थी। सरदार अकबर खान बुगती एक समय बलूचिस्तान के सर्वमान्य नेता रहे हैं। इसीलिए वे बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री भी रहे थे। 26 अगस्त 2006 को पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने उनकी हत्या कर दी थी। तभी से यह संगठन पाक सेना से लोहा ले रहा है। वर्तमान में बलूच अलगाववादी और तालिबान के बीच निरंतर निकटता बढ़ रही है। वैसे भी अफगानिस्तान में तालिबानी शासन के काबिज होने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी घटनाएं बढ़ गई हैं। पाक सरकार ने भी स्वीकार किया है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ही बलूच लड़ाकों को प्रशिक्षित कर रहा है। बलूचिस्तान प्रांत में अब महिलाओं ने भी बीएलए के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बलूच नागरिकों के दमन चक्र के विरुद्ध मोर्चा खोल लिया है। इस सच्चाई को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी स्वीकारा है। पाक की कुल भूमि का 43.6 फीसदी हिस्सा केवल बलूचिस्तान का है, लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब 1 करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस हिस्से में सर्वाधिक बलूच हैं, पाक की कुल आबादी में इनकी छह प्रतिशत की भागीदारी है। इसका कुल क्षेत्रफल 3,47,190 वर्ग किमी है। यहां हिंदू, सिख और ईसाई भी रहते हैं। 1999 में परवेज मुशर्रफ सत्ता में आए तो उन्होंने बलूच भूमि पर सैनिक अड्डे खोल दिए। इसे बलूचों ने अपने क्षेत्र पर कब्जे की कोशिश माना और फिर से संघर्ष तेज हो गया। इसके बाद यहां कई अलगाववादी आंदोलन वजूद में आ गए। इनमें सबसे प्रमुख बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी है। वाशिंगटन में कार्यरत संस्था गिलगित-बलूचिस्तान नेशनल कांग्रेस के सेंग सिरिंग ने मोदी द्वारा उठाए, इस सवाल का समर्थन किया है कि 'पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और बलूचिस्तान में लोगों पर होने वाले जुल्म एवं अत्याचार के बाबत पाक को दुनिया के समक्ष जवाब देना होगा? पाक तो जवाब देने वाला नहीं है, लेकिन भारत की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह बलूचिस्तान की स्वतंत्रता में भागीदार बने?

राष्ट्रीय ध्वज दिवस

मोहित सिंगला

जब तिरंगे को मिली स्वतंत्र भारत की राष्ट्रीय पहचान

भारत का राष्ट्रीय ध्वज केवल तीन रंगों का कपड़ा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, स्वाभिमान, बलिदान और राष्ट्रीय एकता का जीवंत प्रतीक है। आज जिस तिरंगे के नीचे पूरा देश गर्व से एकजुट होता है, उसे स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में आधिकारिक मान्यता 22 जुलाई 1947 को मिली थी। इसी दिन संविधान सभा ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्वराज ध्वज को कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तनों के साथ स्वतंत्र भारत का राष्ट्रीय ध्वज स्वीकार किया। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन था ध्वज के मध्य स्थित चरखे के स्थान पर अशोक चक्र को अपनाना, जिसने राष्ट्रध्वज को व्यापक, सार्वभौमिक और लोकतांत्रिक पहचान प्रदान की। यह निर्णय स्वतंत्रता प्राप्ति से मात्र तीन सप्ताह पहले लिया गया था, लेकिन इसका

महत्व आज भी उतना ही प्रासंगिक है। यह केवल ध्वज का चयन नहीं था, बल्कि उस नए भारत की विचारधारा का चयन था, जो लोकतंत्र, समानता, न्याय और निरंतर प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध था। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज की यात्रा लंबे संघर्ष और अनेक राष्ट्रभक्तों के प्रयासों से होकर गुजरी है। वर्ष 1906 में कलकत्ता में पहली बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इसके बाद 1907 में सुश्री भीकाजी कामा ने जर्मनी के स्टुटगार्ट में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय ध्वज को प्रदर्शित कर विश्व का ध्यान भारत की स्वतंत्रता की आकांक्षा की ओर आकर्षित किया। वर्ष 1921 में आंध्र प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया ने महात्मा गांधी के समक्ष राष्ट्रीय ध्वज का प्रारूप प्रस्तुत किया। गांधीजी के सुझाव पर उसमें चरखे को स्थान दिया गया, जो स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा का प्रतीक था। बाद में 1931 में कांग्रेस ने केसरिया, सफेद और हरे रंग वाले तिरंगे को अपने आधिकारिक ध्वज के रूप में स्वीकार किया। यही ध्वज स्वतंत्रता आंदोलन का सबसे सशक्त प्रतीक बना और लाखों स्वतंत्रता सेनानियों ने इसे हाथों में लेकर अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष किया। जब भारत की स्वतंत्रता निश्चित हो गई, तब यह आवश्यक समझा गया कि राष्ट्रीय ध्वज किसी राजनीतिक संगठन का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करे। इसी उद्देश्य से 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा में राष्ट्रीय ध्वज संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इस प्रस्ताव को सभा के समक्ष रखते हुए कहा कि यह ध्वज स्वतंत्र भारत की आत्मा, उसकी एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक होगा। संविधान सभा ने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। राष्ट्रीय ध्वज को अंतिम रूप देते समय चरखे के स्थान पर सारनाथ स्थित सम्राट अशोक के सिंह स्तंभ से प्रेरित अशोक चक्र को अपनाया गया। गहरे नीले रंग के इस चक्र की 24 तीलियां धर्म, न्याय, नैतिकता, सतत कर्म और निरंतर प्रगति का संदेश देती हैं। यह चक्र इस बात का प्रतीक है कि राष्ट्र को कभी ठहरना नहीं चाहिए, बल्कि निरंतर विकास और गतिशीलता की ओर अग्रसर रहना चाहिए। तिरंगे के प्रत्येक रंग का अपना विशिष्ट संदेश है। केसरिया रंग साहस, त्याग और बलिदान का प्रतीक है।

सफेद रंग सत्य, शांति और पारदर्शिता का संदेश देता है, जबकि हरा रंग समृद्धि, कृषि, पर्यावरण और विकास का प्रतीक माना जाता है। इन तीनों रंगों के मध्य स्थित अशोक चक्र राष्ट्र के जीवन में संतुलन, न्याय और निरंतर गति का संदेश देता है। 15 अगस्त 1947 को जब भारत स्वतंत्र हुआ, तब यही तिरंगा पहली बार स्वतंत्र राष्ट्र के ध्वज के रूप में फहराया गया। तभी से लेकर आज तक यह ध्वज देश की संप्रभुता, अखंडता और राष्ट्रीय गौरव का सर्वोच्च प्रतीक बना हुआ है। सीमाओं पर डटे सैनिकों का साहस, खिलाड़ियों की उपलब्धियां, वैज्ञानिकों की सफलताएं और प्रत्येक भारतीय की देशभक्ति इसी तिरंगे से प्रेरणा प्राप्त करती है। 22 जुलाई 1947 भारतीय इतिहास का वह स्वर्णिम दिवस है

गलत सोच का चश्मा जल्दी उतार देना चाहिए

संकलित

दर्शन

जब सोच निषेधात्मक या गलत होती है, तब वह सुख को भी दुख में परिवर्तित कर देती है। गलत सोच का चश्मा जितनी जल्दी हो, उतार देना चाहिए। बुरे विचार जितना दूसरों का नुकसान करते हैं, उतना ही स्वयं का भी करते हैं। कारण अपनी ही सुरक्षा को लेकर डरा दिमाग ढंग से नहीं सोच पाता। हम स्वार्थी हो जाते हैं, केवल अपने बारे में ही सोचते हैं। कहा गया है कि आपके विचार वहां तक ले जाते हैं, जहां आप जाना चाहते हैं। पर कमजोर विचारों में दूर तक ले जाने की ताकत नहीं होती। हम जो हैं वह सब विचारों का फल है। जो हम सोचते हैं, वही बन जाते हैं। मनुष्य अपने कार्यों से दूसरों को नुकसान पहुंचाता है और अपने विचारों से स्वयं को। गलत सोच एवं अनैतिक कार्यों में लिप्त लोगों को धनवान और प्रतिष्ठित होते देख आदमी में नकारात्मक चिंतन जागता है। अपनी ईमानदारी उसे मूर्खतापूर्ण लगती है। वह पुनर्चिंतन करता है-क्या मिला मुझे आदर्शों पर चलकर? यह नकारात्मक चिंतन उसे भी गलत सोच के दलदल में उतार देता है। समाज में भ्रष्ट और बेईमान लोगों की उत्पत्ति इसी तरह के गलत विचारों के संक्रमण से हुई। इस तरह का गलत सोच हमारी दुनिया को छोटा कर देता है। भीतर और बाहरी दोनों ही दुनिया सिमट जाती हैं। तब हमारी छोटी-सी सफलता अहंकार बढ़ाने लगती है। थोड़ा-सा दुख अवसाद का कारण बन जाता है। कुल मिलाकर सोच ही गड़बड़ हो जाता है। अपने ही बोले हुए को सुनते रहना ज्यादा सीखने नहीं देता। हमारा चिंतन गुणों की ओर केंद्रित रहना चाहिए।

अच्छे कार्य करने से गुरु शिष्य को कभी न रोके

संकलित

प्रेरणा

दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य बताए गए हैं। भगवान शिव ने शुक्राचार्य को मृत संजीवन विद्या दी थी। इस विद्या से शुक्राचार्य मरे हुए दैत्यों को फिर से जीवित कर देते थे। जब दैत्यराज बलि का राज था। तब एक दिन भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और बलि के पास पहुंचे। बलि अपनी दानवीरता की वजह से बहुत प्रसिद्ध थे। वे किसी भी मांगने वाले को खाली हाथ नहीं जाने देते थे। राजा बलि उस समय यज्ञ कर रहे थे। बलि ने वामन देव को देखा तो वह उनके पास पहुंचा। वामन देव ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी। शुक्राचार्य वामन देव को पहचान गए थे कि ये विष्णु जी हैं। इसलिए उन्होंने बलि को दान देने से रोकना चाहा। राजा बलि ने अपने गुरु की बात नहीं मानी और वामन देव को दान देने के लिए तैयार हो गए। तब शुक्राचार्य राजा बलि के कमंडल में सूक्ष्म रूप में बैठ गए, जिससे की पानी बाहर न आए और राजा बलि भूमि दान करने का संकल्प न ले सकें। वामन भगवान जानते थे कि शुक्राचार्य बलि के कमंडल में बैठे हैं। उन्होंने बलि के कमंडल में एक तिनका डाल दिया, जिससे शुक्राचार्य की एक आंख फूट गई। इसके बाद शुक्राचार्य कमंडल से बाहर आ गए और बलि ने वामन देव को भूमि दान दे दी। अगर कोई गुरु अपने शिष्य को नेक काम करने से रोकता है तो उसे इसका बुरा फल भोगना पड़ता है।

सटाका

आज की पाती

भूख मिटाने की कोई गोली इजाद नहीं

आधुनिक विज्ञान के इस युग मे मानव ने अपने जीवन को सुखमय बनाने के लिए विलासिता की हर छोटी-बड़ी वस्तु का आविष्कार कर लिया है और जीवन को लगातार अधिक सुविधाजनक बनाता जा रहा है। लेकिन शरीर को तंदुरुस्त रखने के लिए पेट की भूख मिटाने वाली कोई चमत्कारी गोली आज तक नहीं खोजी जा सकी है। यही कारण है कि भोजन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म करना पड़ता है। आधुनिक विज्ञान के इस युग मे जब हर क्षेत्र मे अभूतपूर्व प्रगति हुई है, तब कृषि क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा। आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने से दुनिया के अनेक देशों मे फसलों की बंपर पैदावार हो रही है। इसके बावजूद सवाल यह है कि भुखमरी के खिलाफ जंग कब जीतेगी दुनिया?

- सुदेश कुमारी, हिसार

करंट अफेयर

शुल्क नीति बहुत सफल रही और उपाय आएंगे सामने: ग्रीर

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि देश की शुल्क (टैरिफ) नीति 'बेहद सफल' रही है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन उन शुल्क उपायों की जगह नए उपाय लाने की योजना बना रहा है जिन्हें अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने रद्द कर दिया था। ग्रीर ने 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' को दिए साक्षात्कार में कहा कि ट्रंप प्रशासन ने पिछले एक साल में अमेरिका की 70 साल पुरानी व्यापार नीति को बदल दिया है और इन नए उपायों से व्यापार घाटा कम हुआ है और कारोबारों को दोबारा अमेरिका लाने में मदद मिली है। यह पूछे जाने पर कि क्या शुल्क प्रणाली से अच्छे नतीजे मिल रहे हैं, इस पर ग्रीर ने कहा, 'हां, बिल्कुल। मेरा मानना है

ऑफ बीट

नींद में खलल से पक्षियों की आवाज में आता है बदलाव

पक्षियों को भी नींद में खलल पड़ने पर तकलीफ होती है, और यह उनके गायन में भी दिखाई देता है। पक्षियों की आवाज असाधारण रूप से विविध होती है। यह साधारण आवाज, जैसे मुर्गा के कुकड़ू-कू, से लेकर अन्य ध्वनियों की जटिल नकल, कभी-कभी तो मानव आवाज की नकल तक होती है। यह आवाज पक्षियों के लिए अपने और अपने परिवेश के बारे में जानकारी साझा करने के वास्ते महत्वपूर्ण है। यह आमतौर पर छोटी और सरल होती है। इसका इस्तेमाल अक्सर सामाजिक संवाद के लिए किया जाता है, जैसे खतरे या भोजन का संकेत देना, रिश्तेदारों की पहचान के लिए या सामाजिक जुड़ाव बनाए रखने के लिए। गीत ज्यादा जटिल और मधुर होते हैं

ट्रेंड

मेरी संवेदनाएं

सिक्किम के नामची जिले में बन रही सुरंग के पास भूस्खलन से हुई कीमती जानों के नुकसान से मुझे गहरा दुख हुआ है। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

भर्ती परीक्षा

झारखंड के युवाओं के भविष्य के साथ कब तक खिलवाड़ होता रहेगा? हेमंत सरकार के कार्यकाल में शायद ही कोई ऐसी भर्ती परीक्षा हुई हो जो बिना किसी विवाद के पूरी हुई हो। हर बार युवाओं की मेहनत, उम्मीदों और भविष्य के साथ अन्याय होता है।

- बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

संवेदनहीनता

केंद्र सरकार एक महीने तक असंवेदनशील बनी रही और कोई बातचीत नहीं की। जब युवाओं ने सरकार तक अपनी बात पहुँचाने के लिए संसद तक मार्च करने का फैसला किया, तो पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े।

- अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

सार्थक बातचीत

मुझे उम्मीद है कि हमारी सरकार सोनम वांगचुक और छात्र संगठनों के साथ सार्थक बातचीत शुरू करेगी ताकि उनकी सेहत और न बिगड़े! सोनम, कृपया अपना अनशन खत्म करें। आपकी सेहत भी उतनी ही जरूरी है जितनी कि यह लड़ाई।

- प्रीति जिंटा, फिल्म अभिनेत्री

संक्षेप

अस्पताल में युवक की मौत, परिजनों का हंगामा

बोले– प्लेटलेट्स 7 हजार पहुंची पर रेफर नहीं किया, जबरन भर्ती रखा

अमेठी ,जगदीशपुर स्थित शिव शक्ति अस्पताल में मंगलवार रात 8 बजे युवक की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। पुलिस के साथ-साथ आसपास के दो अन्य थानों की फोर्स भी मौके पर पहुंची। परिजनों को समझाया। युवक की पहचान हाईकोर्ट के अधिवक्ता तरुण कुमार के रूप में हुई है। वह इन्हौना थाना क्षेत्र के अंगूरी गांव के निवासी थे। परिजनों ने आरोप लगाया है कि डॉक्टर की लापरवाही के कारण युवक की मौत हुई है। वे आरोपी डॉक्टर और उसके सहयोगियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है।यह घटना कमरौली थाना क्षेत्र के शिव शक्ति अस्पताल की है।इन्हौना थाना क्षेत्र के अशरफपुर अंगूरी गांव निवासी 38 वर्षीय तरुण कुमार ओझा पुत्र नंद कुमार ओझा को सोमवार दोपहर प्लेटलेट्स की कमी के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों के अनुसार, भर्ती के समय उनकी प्लेटलेट्स 37,000 थी। इलाज शुरू होने के बाद मंगलवार सुबह तरुण की प्लेटलेट्स अचानक गिरने लगी। मंगलवार शाम करीब 7:15 बजे उनकी प्लेटलेट्स घटकर मात्र 7,000 रह गई। रात 8 बजे उनकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए और हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों का आरोप है कि उन्होंने कई बार डॉक्टर से मरीज को लखनऊ रेफर करने का आग्रह किया था, ताकि बेहतर इलाज मिल सके। हालांकि, डॉक्टर ने उन्हें रेफर नहीं किया और जबरन इलाज जारी रखा, जिसके कारण तरुण की मौत हो गई। मौके पर भाले सुल्तान और जगदीशपुर थाने की पुलिस मौजूद है, जो स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है।

अधिवक्ता की मौत, अस्पताल संचालक समेत दो पर केस दर्ज

लापरवाही पूर्वक इलाज का आरोप, पिता की तहरीर पर कार्रवाई

अमेठी ,जगदीशपुर स्थित शिव शक्ति अस्पताल में इलाज के दौरान हाईकोर्ट के अधिवक्ता तरुण कुमार ओझा की मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। मृतक के पिता नंद कुमार ओझा की तहरीर पर अस्पताल संचालक समेत दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।कमरौली पुलिस ने बताया कि डॉ. राज बहादुर यादव (निवासी देवरा सरैया, गोसाईगंज, अयोध्या) और शैलेंद्र मौर्य (निवासी बलापुर, बाजार शुक्ल, अमेठी) के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 106 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है। अधिवक्ता तरुण कुमार ओझा (निवासी अशरफपुर चिलौली, इन्हौना) की मौत मंगलवार शाम शिव शक्ति अस्पताल में इलाज के दौरान हुई थी। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

भारत-नेपाल सीमा रूपईडीहा पर एसएसबी की बड़ी कार्यवाही

'वारिस पंजाब दे' से जुड़ा वांछित आरोपी व अवैध प्रवेश कर रहा अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा/मोहम्मद कौसर

बहराइच। भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित रूपईडीहा सीमा पर पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता मिली है। नियमित जांच अभियान के दौरान प्रतिबंधित संगठन ह्यवारिस पंजाब दे से जुड़े एक वांछित आरोपी सहित कई लोगों को हिरासत में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं और पूरे नेटवर्क की जांच शुरू कर दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार मुख्य आरोपी की पहचान विक्रमजीत सिंह निवासी रूपनगर (पंजाब) के रूप में हुई है। वह वर्ष 2023 में पंजाब के अजनाला थाना हमले के चर्चित मामले में वांछित था और लंबे समय से फरार चल रहा था। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि वह नेपाल में कथित रूप से फर्जी पहचान और दस्तावेजों के आधार पर रह रहा था।संयुक्त जांच के दौरान मनवीर सिंह ढिल्लों, निवासी मोगा (पंजाब) एवं अमेरिकी नागरिक, को भी नेपाल से बिना वैध भारतीय वीजा के सीमा पार करते समय पकड़ा गया। हालांकि उसके साथ मौजूद पत्नी और बच्चे के यात्रा दस्तावेजों की जांच में सभी आवश्यक दस्तावेज वैध पाए गए। निर्धारित इमीग्रेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें नियमानुसार भारत में प्रवेश की अनुमति दे दी गई।

जांच के दौरान पुलिस और एसएसबी ने अवैध रूप से सीमा पार कराने और परिवहन की व्यवस्था कराने के आरोप में सुरेश कुमार पाठक, दिलीप उपाध्याय तथा वाहन चालक राहुल कुमार को भी हिरासत में लिया है। सभी से अलग-अलग पहलुओं पर पूछताछ की जा रही है।

जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा सीमा पार गतिविधियों में उनकी क्या भूमिका रही है। अधिकारियों के अनुसार भारत-नेपाल सीमा पर निगरानी और सख्त कर दी गई है तथा प्रारंभिक जांच के आधार पर सभी आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रामम पार्टी के कार्यकताओं ने नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जंतर मंतर पर छात्रों के साथ हुए दुर्व्यवहार व उत्पीड़न का कौन है जिम्मेदार ? शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग।

जनपद बहराइच में शुक्रवार को राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा पार्टी के कार्यकताओं का काफी जमावड़ा रहा। राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा से बहराइच जिलाध्यक्ष एडवोकेट मनोज कुमार पांडेय के नेतृत्व में दिल्ली मे जंतर मंतर पर नीट परीक्षा के विफल आयोजन के विरुद्ध छात्रों पर पुलिसिया उत्पीड़न तथा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए महामहिम राष्ट्रपति महोदय को एक ज्ञापन बहराइच नगर मजिस्ट्रेट को ज्ञापित किया गया है। राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा से बहराइच जिलाध्यक्ष एडवोकेट मनोज कुमार पांडेय ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि किसी भी वर्ग का कोई भी दुखी मजलूम व्यक्ति यदि उनसे मदद की मांग करेगा तो राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा पार्टी उनकी आवाज अवश्य बनेगी। उन्होंने कहा कि छात्रों के उत्पीड़न पर हमारी पार्टी चुप नहीं रहेगी, गांव का गरीब किस तरीके से पेट काट काटकर वर्षों तक अपने बच्चों को अच्छी तालीम हासिल करने के लिए बाहर भेज कर पढाता है और जब उनके कुछ बनने का समय आता है तो पता चलता है कि उसका पेपर लीक हो गया ! ऐसे में कई बच्चों के आत्महत्या करने की भी सूचनायें सामने आईं हैं। जिन छात्रों को देश का भविष्य कहा जाता है, उनके भविष्य के साथ भला ऐसा खिलवाड़ क्यों? उक्त कार्यक्रम में अनुज कुमार पांडेय प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा उत्तर प्रदेश की गरिमामयी उपस्थिति प्रासंगिक रही। कार्यक्रम में जनपद बहराइच युवमोर्चा के जिलाध्यक्ष सम्पन्न पांडेय ,जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा मलखान सिंह, जिलासंगठन मंत्री आयुष दीक्षित, जिलाउपाध्यक्ष उपेंद्र कुमार, नगर अध्यक्ष तरुण श्रीवास्तव,जिला महामंत्री अंकित मिश्रा, ब्लॉक अध्यक्ष महसी मुकेश मिश्रा, नगर महामंत्री अमित विश्वकर्मा, सौरभ अवस्थी, मधुकर त्रिपाठी,त्रिपुरेश मनी आदि लगभग एक सौ लोग लोग उपस्थित रहे।

400 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक व एक युवती नेपाल मे गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। पड़ोसी मित्र राष्ट्र नेपाल के नेपालगंज पुलिस ने मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए ब्राउन शुगर के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से लगभग 400 ग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया है।जिला प्रहरी कार्यालय, बांके द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विशेष सूचना के आधार पर जिला प्रहरी कार्यालय बांके तथा लागू औषधि नियन्त्रण ब्यूरो शाखा कार्यालय नेपालगंज की संयुक्त पुलिस टीम ने नेपालगंज उपमहानगरपालिका-18 स्थित नेटवाइड रेस्तरां एंड कैफे के सामने संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की। इस दौरान रुकुम पश्चिम जिले के मुसिकोट नगरपालिका-13 निवासी निशा पुन मगर तथा त्रिवेणी गांवपालिका-2 निवासी ललिता बुढाथोकी की तलाशी ली गई।तलाशी के दौरान निशा पुन मगर के पास से 399 ग्राम 900 मिलीग्राम ब्राउन शुगर जैसा दिखने वाला मादक

पदार्थ बरामद किया गया।पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से विभिन्न कंपनियों के तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। मामले में बांके जिला अदालत से 10 दिन की न्यायिक अनुमति लेकर लागू औषधि (नारकोटिक्स) संबंधी कसूर में विस्तृत अनुसंधान जारी है।

अजनाला थाना हमले का वांछित आरोपी विक्रम सिंह पंजाब पुलिस की रिमांड पर

बहराइच कोर्ट में पेशी के बाद अपने साथ ले गई पंजाब पुलिस

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा बहराइच। भारत-नेपाल सीमा से गिरफ्तार किए गए पंजाब के वर्ष 2023 के चर्चित अजनाला थाना हमले के वांछित आरोपी एवं प्रतिबंधित संगठन 'वारिस पंजाब दे' से जुड़े विक्रम सिंह समेत गिरफ्तार अभियुक्तों को शुक्रवार को रूपईडीहा पुलिस ने सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बहराइच न्यायालय में पेश किया। न्यायालय की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पंजाब से पहुंची पुलिस टीम मुख्य आरोपी विक्रम सिंह को रिमांड पर लेकर पंजाब रवाना हो गई। गौरतलब है कि गुरुवार देर शाम भारत-नेपाल सीमा स्थित रूपईडीहा बॉर्डर आउटपोस्ट पर एसएसबी और रूपईडीहा पुलिस की संयुक्त टीम ने नियमित जांच के दौरान पंजाब के रूपनगर निवासी विक्रम सिंह

को गिरफ्तार किया था। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार वह फरवरी 2023 में पंजाब के अजनाला थाना हमले के बाद से फरार चल रहा था और नेपाल में पहचान छिपाकर रह रहा था। पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की गहन जांच जारी है। जांच में फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले गिरोह, अवैध सीमा पार कराने वाले नेटवर्क तथा आरोपी की मदद करने वाले स्थानीय सहयोगियों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। इसके मद्देनजर भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी और अधिक सख्त कर दी गई है।

क्या है अजनाला थाना हमले का मामला

फरवरी 2023 में पंजाब के अमृतसर जिले के अजनाला थाने पर 'वारिस पंजाब दे' के प्रमुख अमृतपाल सिंह के समर्थकों ने अपने साथी लवप्रीत सिंह उर्फ तूफान को छुड़ाने के लिए हमला कर दिया था। इस दौरान हुई हिंसक झड़प में कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। घटना के बाद कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठे थे। बाद में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) समेत विभिन्न धाराओं में कार्रवाई करते हुए अमृतपाल सिंह और उसके कई साथियों को गिरफ्तार किया गया था।रूपईडीहा पुलिस ने इस प्रकरण में गिरफ्तार सभी अभियुक्तों को न्यायालय में पेश कर दिया, जबकि मुख्य आरोपी विक्रम सिंह को न्यायालय के आदेश पर पंजाब पुलिस रिमांड पर लेकर आगे की पूछताछ एवं कार्रवाई के लिए अपने साथ ले गई।

10 फीट का विशालकाय मगरमच्छ गिरा आबादी के बीच कुएं में

वन विभाग ने किया सफल रेस्क्यू

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जिले के खैरीघाट थाना क्षेत्र के बेलामकन गांव में शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे आबादी के पास स्थित एक कुएं में विशालकाय मगरमच्छ गिरने की सूचना से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर नानपारा रेंज के वन दरोगा बृजेश वर्मा वन विभाग की टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

काफी मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने करीब 10 फीट लंबे मगरमच्छ को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वन दरोगा बृजेश वर्मा ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर मगरमच्छ को कतर्नियाघाट वन प्रभाग के महादेव ताल में सुरक्षित छोड़ दिया गया है।

वन विभाग ने वषार्काल को देखते हुए लोगों से नदी, नाला, नहर और तालाब आदि जलस्त्रोतों के किनारे अकेले न जाने तथा विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। संवेदनशील क्षेत्रों में मगरमच्छ के हमले से बचाव को लेकर पोस्टर लगाने के साथ ही जनजागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीणों को भी जागरूक किया जा रहा है।

मानदेय न मिलने से आक्रोशित पशुमित्रों ने किया कार्य बहिष्कार

पशु चिकित्साधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जिले के शिवपुर ब्लॉक क्षेत्र के पशुमित्रों ने मानदेय का भुगतान न होने पर नाराजगी जताते हुए शुक्रवार शाम करीब चार बजे पशु चिकित्साधिकारी डॉ. मनोज कुमार वर्मा को ज्ञापन सौंपा। पशुमित्रों ने मानदेय का भुगतान होने तक कार्य बहिष्कार करने की घोषणा की है।

पशुमित्र दिनेश वर्मा, विवेक कुमार शुक्ला, प्रमोद कुमार आर्या, अनूप, लालता प्रसाद, गोमती प्रसाद, छैलविहारी समेत अन्य ने बताया कि लंबे समय से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक बकाया मानदेय का भुगतान नहीं किया जाता, तब तक एफएमडी टीकाकरण, कृत्रिम गभार्धान सहित अन्य संबंधित कार्यों का बहिष्कार किया जाएगा। पशुमित्रों ने विभागीय अधिकारियों से जल्द से जल्द मानदेय भुगतान कराने की मांग की है। वहीं बरसात में जहां पशुओं के टीकाकरण का चरण चल रहा है, ऐसे में पशुमित्रों का कार्य बहिष्कार बाढ प्रभावित क्षेत्रों के किसानो के पशुओं को त्वरित व बेहतर उपचार न मिल पाने पर कहीं ₹भारी₹ पड़ जाये।

11.20 लाख रुपये के अवैध तरबूज का बीज किया बरामद, तस्कर फरार

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। नेपाल के लुंबिनी प्रदेश पुलिस की विशेष टीम ने भारत-नेपाल सीमा पर बड़ी कार्रवाई करते हुए तस्करी कर ले जाए जा रहे करीब 11 लाख 20 हजार रुपये मूल्य के तरबूज के बीज बरामद किए हैं। हालांकि पुलिस टीम के पहुंचने से पहले तस्कर सामान छोड़कर मौके से फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार को लुंबिनी प्रदेश पुलिस कार्यालय से लगाई गई विशेष पुलिस टीम ने बर्दिया जिले की बढ़ैयाताल गांवपालिका-2, फुटाहा स्थित नेपाल-भारत सीमा क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान भारत से अवैध रूप से नेपाल ले जाए जा रहे 28 बोरे (1,120 किलोग्राम) तरबूज के बीज बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत 11.20 लाख नेपाली रुपये बताई गई है।

पुलिस ने बताया कि टीम के पहुंचते ही तस्कर माल छोड़कर फरार हो गए। इसके बाद आसपास की तलाशी के दौरान निकट स्थित एक परित्यक्त गोदामनुमा फूस की झोपड़ी से

भी तरबूज के बीज बरामद किए गए।

बरामद बीज को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को सौंप दिया गया है। वहीं, फरार तस्करों की तलाश जारी है।

शिक्षक संकुल केवलपुर की मासिक बैठक सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार /मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। खंड शिक्षा अधिकारी नवाबगंज राधेश्याम वर्मा की अध्यक्षता में नगर पंचायत रुपईडीहा स्थित प्राथमिक विद्यालय रुपईडीहा में शिक्षक संकुल केवलपुर की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति एवं नामांकन बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। खंड शिक्षा अधिकारी ने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के अंतर्गत कैच-अप शिक्षण को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना आवश्यक है। नोडल शिक्षक संकुल धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने शिक्षण की बारीकियों पर प्रकाश डालते हुए 10 प्रमुख शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं का अनुपालन, शिक्षण-अधिगम सामग्री, शिक्षक डायरी के समुचित संधारण, बच्चों के नियमित रूप से विद्यालय आने तथा विद्यालय परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में आलिया खातून, स्वेता ,शीबा तरन्नुम, अजय कुमार, नीरज गुप्ता, फरीद अहमद, राहुल सोनी,आनंद भूषण मिश्रा, अविराज सैनी, सरोज कुमार तथा मोइनुद्दीन सहित संकुल केवलपुर के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

रूपईडीहा में भीषण सड़क हादसा

केवलपुर मोड़ पर बाइक अनियंत्रित होकर ठेले से टकराई

एक युवक की मौत, दूसरा घायल

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

बहराइच। रूपईडीहा-नानपारा मार्ग पर शुक्रवार को केवलपुर मोड़ रूपईडीहा के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना प्रभारी रूपईडीहा हरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि यामा मोटरसाइकिल (संख्या DL85BE8450) रूपईडीहा से नानपारा की ओर जा रही थी। केवलपुर मोड़ के पास सड़क किनारे खड़े एक ठेले से बाइक अनियंत्रित होकर टकरा गई। हादसे में बाइक सवार फरीद पुत्र सगीर, निवासी राजा बाजार, थाना नानपारा, जनपद बहराइच तथा अरसाद पुत्र डबलू, निवासी नानपारा, गंभीर रूप से घायल हो गए।

दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चर्दा भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने फरीद को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल अरसद का उपचार जारी है।

पुलिस को मृतक के संबंध में मेमो प्राप्त हो गया है तथा शव का पंचायतनामा भरने की कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद मौके पर पुलिस बल मौजूद है। क्षेत्र में शांति व्यवस्था सामान्य है और यातायात भी सुचारु रूप से संचालित हो रहा है।

रिश्तेदारी से लौट रहे युवक ने धारदार हथियार से हमले का लगाया आरोप

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। पीड़ित ने लाठी डंडा व धारदार हथियार से हमला कर घायल करने का आरोप लगाया है, वहीं पुलिस जांच में होगा खुलासा कि- क्या है हकीकत और क्या है फसाना ? जिले के खैरीघाट थाना क्षेत्र के डल्लापुरवा में रिश्तेदारी से वापस लौट रहे युवक पर लाठी डंडा व धारदार हथियार से हमला करने का मामला प्रकाश में आया है। मुरलीपुरवा पाठक पुरवा गांव निवासी राजेश कुमार पुत्र ईश्वर दीन उम्र करीब 35 वर्ष ने शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि वह डल्लापुरवा गांव रिश्तेदारी में गए थे। वापस लौटते समय जुगराज के घर के सामने सड़क पर भैंस बंधी थी तथा कीचड़ अधिक था। लिहाजा वह उनके द्वार से निकलने लगा। तभी जुगराज व उनके बेटे बेचई गाली देने लगे। जिसका विरोध किया तो पिता पुत्र ने मिलकर लाठी डंडा व धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर घायल युवक राजेश कुमार को उपचार के लिए सीएचसी शिवपुर भेजा। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। डा. अभय कुमार कैराती ने बताया कि बेहतर उपचार एवं एक्सरा के लिए मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर किया गया है। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि संबंधित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

पेट्रोल में पानी का आरोप, ग्राहक-कर्मचारी में मारपीट

प्रतापगढ़ के पेट्रोल पंप पर हंगामा, पूर्ति विभाग जांच में जुटा

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, देहात कोतवाली क्षेत्र स्थित सराय खंडेराय में एक पेट्रोल पंप पर दोपहर 12 बजे करीब पेट्रोल में पानी होने के आरोप को लेकर ग्राहक और कर्मचारियों के बीच मारपीट हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस और पूर्ति विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ग्राहक संजय अपनी बाइक में पेट्रोल भरवाने के लिए पेट्रोल पंप पहुंचा था। आरोप है कि पेट्रोल भरवाने के तुरंत बाद उसकी बाइक बंद हो गई। संजय ने बोतल में पेट्रोल निकालकर देखा तो उसमें पानी जैसा पदार्थ दिखाई दिया। उसने पेट्रोल पंप पर मिलावटी पेट्रोल बेचे जाने का आरोप लगाया। इसी बात को लेकर ग्राहक संजय और पेट्रोल पंप कर्मचारी राम बहाल के बीच कहासुनी शुरू हो गई। यह कहासुनी जल्द ही मारपीट में बदल गई, जिससे पेट्रोल पंप पर भारी हंगामा खड़ा हो गया और लोगों की भीड़ जमा हो गई। विवाद बढ़ने की सूचना पर देहात कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने ग्राहक संजय और पेट्रोल पंप कर्मचारी राम बहाल को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए कोतवाली ले गई। पेट्रोल में मिलावट की शिकायत के बाद पूर्ति विभाग के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने पेट्रोल पंप की जांच शुरू कर दी है और ईंधन के नमूने लेकर परीक्षण के लिए भेज दिए हैं।

संक्षेप

एडीजी ने बागपत में सुरक्षा जांची, संदिग्ध वाहनों की तलाशी

भानु भास्कर ने मवीकला चौकी पर पुलिसकर्मियों को दिए निर्देश

मेरठ , जोन के एडीजी भानु भास्कर ने बुधवार को बागपत का दौरा किया।उन्होंने मवीकला चेक पोस्ट पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान बागपत कोतवाली पुलिस और खेकड़ा कोतवाली पुलिस भी मौके पर मौजूद रही।एडीजी ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने नियमित वाहन चेकिंग, प्रतिबंधित वाहनों पर कार्रवाई और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान, कई संदिग्ध वाहनों को रुकवाया गया और एडीजी ने स्वयं अपनी निगरानी में उनकी तलाशी कराई। उन्होंने पुलिसकर्मियों को वाहनों की नियमित चेकिंग करने और ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की हिदायत दी। इस दौरान बागपत एसपी सूरज राय सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। एसपी सूरज राय ने बताया कि जिले में नियमित रूप से चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी निगरानी रखी जाती है और प्रतिबंधित वाहनों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है, जिससे जनपद में शांति व्यवस्था कायम है।

हत्या के प्रयास के आरोपी की निशानदेही पर

बागपत पुलिस ने अवैध पिस्टल और कारतूस बरामद किए

बागपत ,जनपद की कोतवाली पुलिस को हत्या के प्रयास और मारपीट के एक मामले में बड़ी सफलता मिली है।पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को रिमांड पर लेकर उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त अवैध हथियार बरामद किया है।जानकारी के अनुसार, थाना कोतवाली बागपत में दर्ज मुकदमा संख्या 420/26 के तहत आरोपी विक्की उर्फ विकास पुत्र नवाब निवासी ग्राम बाघू को न्यायालय से पुलिस रिमांड पर लिया गया था। यह मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं 191(2), 191(3), 281, 118(2) और 109(1) के तहत दर्ज है। पूछताछ और निशानदेही के दौरान आरोपी की सूचना पर पुलिस ने एक अवैध .32 बोर पिस्टल और तीन खोखा कारतूस बरामद किए।ये हथियार कथित तौर पर घटना में इस्तेमाल किए गए थे।पुलिस के मुताबिक, यह मामला 30 जून 2026 को हुई एक पुरानी रंजिश से जुड़ी घटना का है। आरोप है कि कई लोगों ने मिलकर वादी पक्ष पर हमला किया था, जिसमें गोलीबारी भी की गई थी।इस घटना में एक युवक गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया था, जबकि अन्य लोगों के साथ मारपीट की गई थी।हथियार बरामदगी के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/25/27 की बढ़ोतरी करते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।पुलिस की इस कार्रवाई को मामले के खुलासे और महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री झूठे हैं, नौजवान लोग भरोसा न करें- अजय राय

प्रयागराज पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, बोले- चंदा चोरी पर क्यों नहीं बोलते मोदी ?

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज ,कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय शुक्रवार को प्रयागराज के एमपी-एमएलए कोर्ट पहुंचे। वह एक पुराने आपराधिक मामले में गवाही देने आए थे, जिसमें मुख्तार अंसारी को पहले ही सजा हो चुकी है। मामले के अन्य आरोपियों की सुनवाई प्रयागराज स्थानांतरित होने के बाद उन्होंने कोर्ट में अपनी गवाही दर्ज कराई ।कोर्ट परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान अजय राय ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पहले भी कई बार झूठे वादे कर चुके हैं। नोटबंदी के दौरान 50 दिन में हालात सामान्य होने और जीएसटी लागू करते समय ₹एक देश, एक टैक्स₹ जैसे दावों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जनता और युवाओं को ऐसे बयानों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। अजय राय ने हाल के छात्र आंदोलनों का समर्थन करते हुए कहा कि छात्रों की मांगें पूरी तरह जायज हैं। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए कहा कि उन्हें नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते हैं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें तत्काल बर्खास्त करें। उनके अनुसार, जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक किसी अन्य समाधान पर बात करने का कोई औचित्य नहीं है ।प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई की भी आलोचना की और कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर बल प्रयोग नहीं होना चाहिए। उन्होंने मांग की कि जिन पुलिसकर्मियों ने कार्रवाई की है, उनके खिलाफ जांच कर उचित कार्रवाई की जाए। अजय राय ने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर भी आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भगवान राम के नाम पर आने वाले चढ़ावे और धन के दुरुपयोग के आरोपों पर भी सरकार को जवाब देना चाहिए, लेकिन प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर मौन हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस छात्रों और आम जनता से जुड़े मुद्दों पर लगातार आवाज उठाती रहेगी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मामलों में सरकार को जवाबदेह बनाना जारी रखेगी।

सड़े अंडों की आड़ में शराब स्मगलिंग करने वाला गिरफ्तार

प्रयागराज एसटीएफ ने 3 साल से पंजाब में छिपे 50 हजार के इनामी को पकड़ा

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज4 , यूपी एसटीएफ की प्रयागराज यूनिट ने इंटरस्टेट शराब तस्करी गिरोह के 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी मनवीर सिंह उर्फ मन्नू को पंजाब के मोहाली जिले से गिरफ्तार कर लिया।वह तीन साल से फरार चल रहा था और प्रयागराज के नवाबगंज थाने में दर्ज अवैध शराब तस्करी के मुकदमे में वांटेड था।गिरफ्तारी के बाद उसे प्रयागराज लाकर नवाबगंज पुलिस के हवाले कर दिया गया है।एसटीएफ के अनुसार मनवीर सिंह की गिरफ्तारी बुधवार शाम 5:10 बजे मोहाली (एसएएस नगर) के जिरकपुर मेट्रो चौक स्थित कल्याण ज्वैलर्स के सामने से की गई।उसके कब्जे से 1010 रुपये नकद बरामद हुए हैं। कई राज्यों में फैला तस्करी का नेटवर्क एसटीएफ के मुताबिक मनवीर सिंह अपने साथी नवदीप सिंह उर्फ नवी ग्रेवाल उर्फ लकी सिंह और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर कई सालों से शराब तस्करी का नेटवर्क चला रहा था। गिरोह चंडीगढ़ और पंजाब से अवैध अंग्रेजी शराब ट्रकों में लोड कर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, गुजरात और छत्तीसगढ़ तक पहुंचाता था ।पुलिस से बचने के लिए शराब की पेटियों को ट्रकों में लदे अन्य सामानों के बीच छिपाया जाता था। इसके लिए अंडे, मुर्गी का दाना, प्लास्टिक स्क्रैप, पास्ता, आलू समेत अन्य सामान का इस्तेमाल किया जाता था, ताकि जांच के दौरान किसी को शक न हो।2023 में प्रयागराज में पकड़ी गई थी खेप एसटीएफ ने बताया कि 2023 में गिरोह ने भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब को गत्तों में रखे सड़े अंडों की आड़ में ट्रक के जरिए बिहार और झारखंड भेजने की योजना बनाई थी। सूचना मिलने पर एसटीएफ ने प्रयागराज के नवाबगंज में ट्रक पकड़ लिया था।

फर्जी व्हाट्सएप से 1.80 करोड़ की साइबर ठगी

एपीकेफाइल से पहले मोबाइल किया हैक, निदेशक बनकर दिया भुगतान का आदेश, जांच जारी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,साइबर अपराधियों ने एक पेपर मिल के प्रबंधक का मोबाइल एपीके फाइल के जरिए हैक कर 1.80 करोड़ रुपये की ठगी कर डाली। साइबर ठगों ने मोबाइल से मिली जानकारी के आधार पर पेपर मिल के निदेशक के नाम से फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट तैयार किया और उसी के जरिए प्रबंधक को अलग-अलग खातों में भुगतान करने के निर्देश भेजते रहे ।प्रबंधक ने निदेशक का संदेश समझकर चार दिनों में करीब 1.80 करोड़ रुपये चार अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिए। मामला तब खुला जब भुगतान का ब्यौरा सुनकर असली निदेशक हैरान रह गए।इसके बाद साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। मवाना रोड स्थित डिफेंस कॉलोनी निवासी प्रज्ज्वल अग्रवाल ने साइबर क्राइम थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी गंगोत्री पेपर मिल हरिद्वार जनपद के झबरेड़ा-नारसन क्षेत्र में संचालित है। मिल का बैंक खाता पंजाब नेशनल बैंक की न्यू मंडी, मुजफ्फरनगर शाखा में है, जिसका संचालन प्रबंधक संदीप गोयल करते हैं 17 जुलाई को आई पहली एपीके फाइल पुलिस के अनुसार - 17 जुलाई को संदीप गोयल के व्हाट्सएप नंबर पर एक एपीके फाइल भेजी गई। फाइल खोलते ही उनका मोबाइल साइबर ठगों के नियंत्रण में चला गया।

इसके बाद ठगों ने पेपर मिल के निदेशक नीरज अग्रवाल के नाम और प्रोफाइल का इस्तेमाल कर फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट तैयार कर लिया।

एआई से बनाकर अश्लील तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल की

गला दबाकर हत्या और पेट्रोल डालकर जलाने के प्रयास का आरोप, मुकदमें की मांग

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता के साथ मारपीट, हत्या के प्रयास और साइबर उत्पीड़न का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि पति ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से पत्नी की आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो तैयार कर उन्हें सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। इतना ही नहीं, पीड़िता के नाम से फर्जी आईडी बनाकर अश्लील सामग्री भी पोस्ट की गई। मेडिकल थाना क्षेत्र के कमालपुर गांव निवासी सुनामी उर्फ भारती ने बताया कि उसकी शादी करीब तीन माह पहले हापुड़ जनपद के गढ़मुक्तेश्वर निवासी सत्यप्रकाश के साथ हुई थी।पीड़िता का आरोप है कि विवाह में करीब 10 लाख रुपये खर्च किए गए थे, लेकिन इसके बावजूद पति, सास, ससुर, जेठ, जेठानी, ननद और देवर संतुष्ट नहीं थे।

दो लाख रुपये और प्लॉट की मांग

विवाहिता के अनुसार ससुराल पक्ष लगातार उससे 100 गज का प्लॉट और दो लाख रुपये नकद लाने का दबाव बना रहा था। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट और मानसिक उत्पीड़न शुरू कर दिया गया। आरोप है कि जेठ भी उसके साथ आपत्तिजनक हरकतें करता था और विरोध करने पर जान से मारने की धमकियां दी जाती थीं।

गला दबाकर हत्या का प्रयास

पीड़िता ने आरोप लगाया कि 13 फरवरी 2026 को उसके पति और अन्य ससुरालियों ने मिलकर उसका गला दबाकर हत्या का प्रयास किया। साथ ही उस पर पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की भी कोशिश की गई। किसी तरह जान बचाकर वह गढ़मुक्तेश्वर थाने पहुंची और पुलिस को घटना की जानकारी दी।

एआई से बनाई अश्लील फोटो और वीडियो

महिला का आरोप है कि पति ने उसे बदनाम करने के उद्देश्य से एआई तकनीक का इस्तेमाल कर उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो तैयार किए। बाद में इन्हें इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित कर दिया गया। इतना ही नहीं, उसके नाम से फर्जी सोशल मीडिया आईडी बनाकर अश्लील पोस्ट और आपत्तिजनक सामग्री भी साझा की जा रही है ।साइबर या दहेज, दोनों पहलुओं की जांचपुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में दहेज उत्पीड़न, मारपीट, हत्या के प्रयास और साइबर अपराध से जुड़े आरोप लगाए गए हैं। सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित आपत्तिजनक सामग्री और फर्जी आईडी की भी तकनीकी जांच कराई जाएगी।

'संविधान संवाद' से पहले हॉल पर लगा ताला

मेरठ में कांग्रेस का हंगामा, पुलिस बोली- अनुमति नहीं थी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,कांग्रेस के प्रस्तावित 'संविधान संवाद' कार्यक्रम से पहले सदर बाजार पुलिस ने दिल्ली रोड स्थित चैंबर ऑफ कॉमर्स के हॉल पर ताला लगा दिया। कार्यक्रम रोकने की सूचना मिलते ही कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने मौके पर पहुंचकर पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और धरने पर बैठ गए। कांग्रेस ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया, जबकि पुलिस का कहना है कि कार्यक्रम के लिए आवश्यक अनुमति नहीं ली गई थी। शाम 5 बजे होना था छात्रों से संवाद'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गौतम छात्रों से संवाद करने वाले थे। कार्यक्रम शाम 5 बजे दिल्ली रोड स्थित चैंबर ऑफ कॉमर्स में प्रस्तावित था।हॉल पर ताला देखकर धरने पर बैठे कांग्रेसीहॉल पर ताला लगने की जानकारी मिलते ही महानगर अध्यक्ष रंजन शर्मा, कांग्रेस नेता अवनीश काजला समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। कांग्रेसियों ने पुलिस और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वहीं धरना शुरू कर दिया। नेताओं ने कहा कि कार्यक्रम हर हाल में आयोजित किया जाएगा और इसे रोकना लोकतंत्र की हत्या है।पुलिस बोली- बिना अनुमति हो रहा था आयोजनसदर बाजार पुलिस का कहना है कि कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कांग्रेस की ओर से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। पुलिस के अनुसार आयोजकों को पहले ही इस संबंध में अवगत करा दिया गया था। लेकिन इसके बावजूद कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

गाजीपुर बॉर्डर पर दूसरे दिन भी हाई अलर्ट

किसानों की भीड़ देखते हुए लगा बैरियर, भारी पुलिस तैनात; लंबा जाम लगा

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , गाजीपुर बार्डर समेत दिल्ली की सीमा वाले क्षेत्रों में आज भी फोर्स तैनात की गई है। दिल्ली जाने वाले किसानों को देखते हुए गाजियाबाद में लोनी बार्डर, यूपी गेट और दूसरे प्वाइंटों पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स लगाई है।यहां डीसीपी सुरेंद्र नाथ तिवारी, एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य और 4 थानों के प्रभारी फोर्स के साथ तैनात हैं। अलग अलग स्थानों पर बैरियर लगाए गए हैं।एक दिन पहले किसानों ने पुलिस से धक्का मुक्की करते हुए पुलिस के बैरियर गिरा दिए थे।डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि चेकिंग चलती रहती है, कुछ लोग आकर समस्या उत्पन्न कर सकते हैं इसलिए सुरक्षा बढ़ाई गई हैं दिल्ली में प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्गो पर लंबा जाम लगा है।जिससे दिल्ली जाने और गाजियाबाद की तरफ आने वाले वाहन चालकों को भी परेशानी हो रही है। जंतर-मंतर पर उखढ के प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने गाजीपुर बॉर्डर पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।बॉर्डर पर बैरिकेडिंग और सघन चेकिंग के कारण दिल्ली की ओर जाने वाले वाहनों की रफ्तार काफी धीमी हो गई है।सुबह से ही गाड़ियों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं और वाहन रेंगते हुए आगे बढ़ रहे हैं। इसका सबसे अधिक असर ऑफिस जाने वाले कर्मचारियों और दैनिक यात्रियों पर पड़ रहा है, जिन्हें समय पर अपनी मंज़िल तक पहुंचने में मुश्किल हो रही है सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए गाजियाबाद पुलिस ने भी यूपी-दिल्ली बॉर्डर पर मोर्चा संभाल रखा है ।पुलिस लगातार आने-जाने वाले वाहनों की निगरानी कर रही है और हालात पर नजर बनाए हुए है। जंतर-मंतर पर जारी प्रदर्शन का असर अब दिल्ली-एनसीआर के ट्रैफिक पर साफ दिखाई दे रहा है ।गाजीपुर बॉर्डर पर बैरिकेडिंग के चलते सुबह से ही वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती हैं और लोगों को जाम का सामना करना पड़ रहा है। फिलहाल पुलिस सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।एडिशनल पुलिस कमिश्नर गाजियाबाद राज करन नैयर का कहना है कि यातायात बाधिक न हो इसके लिए ड्यूटी लगाई गईं हैं। अलग अलग स्थानों पर पुलिस ने बैरियर लगाए हैं।

एसएसपी मेरठ समेत 50 पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज की मांग

एससी/एसटी कोर्ट में याचिका दाखिल, दलित समाज को बेइज्जत करने का आरोप, 3 अगस्त को सुनवाई

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,आठ जुलाई को कलेक्ट्रेट पर हुए दलित समाज के प्रदर्शन और उसके बाद हुई पुलिस कार्रवाई का मामला अब अदालत पहुंच गया है। दलित अधिवक्ता अनिल प्रधान ने विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी कोर्ट में याचिका दाखिल कर एसएसपी अविनाश पांडे, एसपी देहात अभिजीत कुमार तथा 50 अज्ञात पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने जाने की मांग की है ।याचिका में पुलिस अधिकारियों पर दलित समाज के लोगों के साथ अभद्रता, मानवाधिकारों के उल्लंघन और जातिवादी मानसिकता से कार्रवाई करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं ।याचिकाकर्ता अधिवक्ता अनिल प्रधान का आरोप है कि ललिता गौतम हत्याकांड की विवेचना में पुलिस ने निष्पक्षता नहीं बरती और आरोपियों को बचाने का प्रयास किया। इसी के विरोध में दलित समाज के लोग आठ जुलाई को जिलाधिकारी से मिलने और अपनी बात रखने के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। आरोप है कि पुलिस ने कलेक्ट्रेट के दरवाजे बंद कर दिए और प्रदर्शनकारियों को गेट के बाहर सड़क पर बैठने के लिए मजबूर किया।इससे लोगों में आक्रोश फैल गया। जानबूझकर बेइज्जत करने का आरोप याचिका में कहा गया है कि पुलिस अधिकारियों ने दलित समाज के लोगों के साथ जानबूझ कर भेदभावपूर्ण व्यवहार किया और बाद में प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग किया। अनिल प्रधान का आरोप है कि शांतिपूर्ण धरना दे रहे लोगों पर लाठीचार्ज कराया गया तथा पुलिस अधिकारियों ने स्वयं भी हाथापाई की। उन्होंने दावा किया कि इस घटना के वीडियो और अन्य साक्ष्य सोशल मीडिया पर उपलब्ध हैं, जो पुलिस कार्रवाई की वास्तविकता को दशार्ते हैं।फर्जी मुकदमे दर्ज कराने का आरोप याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ प्रतिशोध की भावना से कार्रवाई की।पुलिसकर्मियों की फर्जी चिकित्सीय जांच कराकर दलित समाज के लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज कराए गए। याचिकाकर्ता का कहना है कि पुलिस के पास अपने आरोपों को साबित करने के लिए कोई ठोस साक्ष्य नहीं है, इसके बावजूद निर्दोष लोगों को आरोपी बनाया गया। संविधान और मानवाधिकारों का हवाला अधिवक्ता अनिल प्रधान ने अपनी याचिका में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 का उल्लेख करते हुए कहा है कि प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करने और अपनी बात रखने का अधिकार है। इसके बावजूद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के मौलिक अधिकारों का हनन किया। मेरठ पुलिस ने खुलेआम मानवाधिकारों का उल्लंघन किया और लोकतांत्रिक अधिकारों को कुचलने का प्रयास किया।रवि गौतम से मारपीट का भी उल्लेख याचिका में प्रदर्शन में शामिल अधिवक्ता रवि कुमार गौतम का भी उल्लेख किया गया है।

डिलीवरी के बाद महिला की मौत

न्याय के लिए अब डीएम से मिलेंगे, पहले भी नहीं हुई कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

जेवर , ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र स्थित बिलासपुर कस्बे के एक निजी अस्पताल में डिलीवरी के बाद 28 वर्षीय महिला पूजा की सुबह करीब 11 बजे मौत हो गई।परिजनों ने अस्पताल के डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिवार का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग और सीएम पोर्टल पर शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे नाराज परिजन सुबह 11 बजे जिलाधिकारी (डीएम) से मिलकर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करेंगे।कासना कोतवाली क्षेत्र के कुलीपुरा गांव निवासी जितेंद्र ने बताया कि उनकी भाभी पूजा को प्रसव के लिए 17 जुलाई को बिलासपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों की लापरवाही के कारण अत्यधिक रक्तस्राव हुआ, जिससे उनकी मौत हो गई। हालांकि, नवजात शिशु सुरक्षित है। पूजा अपने चौथे बच्चे को जन्म दे रही थीं ।जितेंद्र ने बताया कि उनके भाई विनोद ऑटो चालक हैं।पत्नी की मौत के बाद उन पर चार बच्चों की परवरिश की जिम्मेदारी आ गई है।परिवार इस घटना के बाद आर्थिक और मानसिक रूप से प्रभावित है।

बिजलीघर पर ग्रामीणों के हंगामे पर केस दर्ज

जेई ने मारपीट और सरकारी दस्तावेज फाड़ने का आरोप लगाया

अमन लेखनी समाचार

जेवर,ग्रेटर नोएडा के जेवर स्थित बिजली उपकेंद्र पर दोपहर1 बजे हुए हंगामे और प्रदर्शन के मामले में पुलिस ने अवर अभियंता (जेई) की शिकायत पर शाम 5 बजे मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई एक नामजद व्यक्ति सहित दर्जनों ग्रामीणों के खिलाफ की गई है।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सबस्टेशन में तैनात अवर अभियंता राजेंद्र कुमार लोधी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 20 जुलाई को जब वह अपने कार्यालय में काम कर रहे थे, तभी गोपालगढ़ गांव का एक व्यक्ति बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ उनके कार्यालय में घुस आया। आरोप है कि इन ग्रामीणों ने बिजली कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज की, मारपीट की और हंगामा किया। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने कार्यालय में रखे सरकारी दस्तावेज फाड़ दिए और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया ।दरअसल, गोपालगढ़ गांव में ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण पिछले करीब 15 दिनों से आधे गांव की बिजली आपूर्ति बाधित थी। इसी से नाराज ग्रामीणों ने सोमवार को जेवर बिजली उपकेंद्र का घेराव कर प्रदर्शन किया था। इस दौरान बिजली अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई थी ।अवर अभियंता की तहरीर पर पुलिस ने अब एक नामजद और अन्य अज्ञात ग्रामीणों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महिला आयोग की जनसुनवाई में पहुंचीं 19 शिकायतें

मीनाक्षी भराला ने की सुनवाई, त्वरित न्याय दिलाना लक्ष्य

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर , उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य मीनाक्षी भराला ने ग्रेटर नोएडा स्थित विकास भवन सभागार में जनसुनवाई की। इस दौरान गौतम बुद्ध नगर जनपद से प्राप्त 19 शिकायतों पर सुनवाई हुई। कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। भराला ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और न्याय सुनिश्चित करना आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है ।उन्होंने दोहराया कि महिला आयोग का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाना और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। जनसुनवाई के बाद विकास भवन से निकलते समय एक पीड़ित पिता ने मीनाक्षी भराला को शिकायत पत्र सौंपा। पिता ने बताया कि वह लंबे समय से थाने के चक्कर लगा रहा है, लेकिन उसके मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। राज्य महिला आयोग की सदस्य ने शिकायत पर संज्ञान लेते हुए पुलिस को तीन दिन के भीतर समस्या का निस्तारण करने का निर्देश दिया ।जनसुनवाई के दौरान भराला ने यह भी कहा कि प्रदेश में महिलाओं से जुड़े मामलों में कुछ शिकायतें वास्तविक उत्पीड़न की होती हैं, जबकि कई मामलों में पारिवारिक विवाद मुख्य कारण होते हैं।

मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराधों के प्रति किया गया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों—जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य—पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळढ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर

112-आपातकालीन सेवा
1090 / 1091-महिला सुरक्षा हेल्पलाइन
181-महिला हेल्पलाइन
1930-साइबर अपराध हेल्पलाइन
1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

25 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

संडीला। संडीला पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे 25 हजार के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान साहिल सिंह निवासी ग्राम आलदौ, थाना औरास, जनपद उन्नाव के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार, 21 जुलाई 2026 को बांगरमऊ बस स्टैंड पर पुरानी रंजिश के चलते शिवम जायसवाल पर फायरिंग की गई थी। गोली लगने से शिवम गंभीर रूप से घायल हो गया था। पीड़ित की शिकायत पर थाना संडीला में मुकदमा संख्या 283/2026 धारा 3(5)/109(1) बीएनएस के तहत पांच नामजद आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था।घटना के बाद से साहिल सिंह फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक हरदोई द्वारा 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। संडीला पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी थी। मुखबिर से मिली सटीक सूचना और लगातार की गई दबिश के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।हरदोई पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं, इस मामले में नामजद अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

संचारी दस्तक अभियान के तहत जनपद में युद्धस्तर पर चल रहा स्वच्छता जनजागरूकता अभियान

उच्च जोखिम वाले गांवों में विशेष माइक्रोप्लान के अनुसार कराया जा रहा अभियान, लोगों को संक्रामक रोगों से बचाव के लिए किया जा रहा जागरूक।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनपद में संचारी रोगों की रोकथाम एवं आमजन को संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से 01 जुलाई, 2026 से संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 11 जुलाई, 2026 से दस्तक अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत गांवों में साफ-सफाई, झाड़ियों की कटाई, खराब हैंडपंपों का चिन्हीकरण एवं मरम्मत, नालियों की सफाई, फॉगिंग तथा बुखार, डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया, क्षय एवं अन्य संक्रामक रोगों के संभावित मरीजों की पहचान का कार्य लगातार किया जा रहा है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निदेशानुसार उच्च जोखिम वाले गांवों में माइक्रोप्लान के अनुसार विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान सफाईकर्मी, पंचायत सहायक, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्राम प्रधानों की सक्रिय सहभागिता से ग्रामीणों को संचारी रोगों से बचाव, स्वच्छता अपनाने तथा स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत विद्यालयों में जागरूकता रैलियां, ग्राम सभाओं में बैठकें, प्रभात फेरियां, झाड़ियों की कटाई, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नालियों की सफाई, हैंडपंपों की मरम्मत, फॉगिंग तथा अन्य जनस्वास्थ्य गतिविधियां निरंतर संचालित की जा रही हैं। दस्तक अभियान के अंतर्गत बुखार से पीड़ित मरीजों की पहचान कर उनकी जांच, टीबी के संभावित मरीजों का चिन्हीकरण, आईएलआई (खांसी, जुकाम) एवं डायरिया के लक्षण वाले रोगियों का सर्वे तथा कुपोषित बच्चों की पहचान कर आवश्यक उपचार एवं परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि संचारी एवं दस्तक अभियान में सक्रिय सहयोग करें, अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार के संक्रामक रोग के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क कर चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त करें।

खास समाचार

दोस्त के साथ घूमने गई छात्रा के साथ जंगल में सामूहिक रेप

अमन लेखनी समाचार

चित्रकूट।नीट की तैयारी कर रही छात्रा के साथ गैंगरेप की वारदात,दोस्त के साथ देवांगन एयरपोर्ट घूमने आई छात्रा के साथ वारदात,छात्रा के दोस्त को बंधक बनाकर रखा और तीन आरोपियों ने बारी बारी से किया गैंगरेप,विरोध करने पर छात्रा और उसके दोस्त की पिटाई,आरोपियों ने ब्लैक मेल करने का भी किया प्रयास,आरोपियों के चुंगल से छूटे युवक ने112 पुलिस को दी जानकारी ,सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी,देवांगना एयरपोर्ट के आस पास जंगल मे आरोपियों कि तलाश मे जुटी एस ओजी और थानो कि पुलिस,जल्द होगा घटना का अनावरण एसपी चित्रकूट, पूरी घटना बहिलपुरवा थाना क्षेत्र के देवांगना एयरपोर्ट के पास की बताई जा रही घटना। यह दूसरी घटना है इसके पहले इसी प्रकार से जंगल में मंगल मनाने गई लड़की के साथ तीन दोस्तों ने गैंगरेप किया था। यह घटना साजिश के तहत घटित हुई है पुलिस को अनुमान है।

सरकार के प्रतिनिधि गाड़ी का कर रहे दुरुपयोग पुलिस खामोश

अमन लेखनी समाचार

चित्रकूट। बांदा चित्रकूट संसदीय क्षेत्र है जिसमें एक सांसद कई विधायक हैं। जनपद चित्रकूट में विधायक एक गाड़ी से चलते हैं तो उनकी 10 से 12 गाड़ियों में विधायक कौन लिखा देता है। विधायक के सगे रिश्तेदार दोस्त और परिवार हूटर बजाते हैं विधायक लिखी गाड़ियों में फरार्टा मार रहे हैं। चित्रकूट जनपद की पुलिस लगता है इतनी मीठी है कि जनता उल्टा पुलिस को खा रही है। जनपद में लगभग 200 गाड़ियों में हूटर लगा हुआ है। किसी को दुश्मनी बस काला शीशा गाड़ी में चलने का आदेश है तो चार गाड़ियों में काला शीशा के आड़ में अपराध कर रहे हैं। जनपद में खनिज वाहन 100 की स्पीड में दौड़ रहे हैं जबकि स्पीड 60 होनी चाहिए जिसके कारण दुर्घटनाएं हो रही हैं। जनपद में वाहनों द्वारा प्रदेशों दूसरे प्रदेशों से गांजा आ रहा है पुलिस पैसा लेकर के गांजा का धंधा खुलेआम करवा रही है। 10 गाड़ी जनपद चित्रकूट में विधायक लिखी मिलेंगे तो 10 गाड़ी चित्रकूट के विधायक की कौशांबी में गाड़ी में लिखा मिल जाएगा। जनपद में सरकार के प्रतिनिधियों द्वारा वाहनों का भौकाल दिखाने में दुरुपयोग हो रहा है। जनपद में विधायक पद पाने के बाद अपने उद्योग धंधों का नंबर दो से कमाई हो रही है। बिना अधिकार के यदि विधायक गाड़ी में बैठा हो तो सकारात्मक यदि उसका परिचित अपने आप लिख करके चल रहा है तो नकारात्मक होता है। अभी हाल ही में उत्तराखंड में उत्तर प्रदेश के प्रभारी मंत्री के लड़के विधायक लिखकर गए थे पुलिस ने चालान काटा था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया गोरखपुर सिक्स लेन फ्लाईओवर का उद्घाटन

जाम से मिलेगी राहत, शहर के विकास और यातायात को मिलेगी नई गति

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखपुर के बहुप्रतीक्षित सिक्स लेन फ्लाईओवर का लोकार्पण किया। फ्लाईओवर के शुरू होने से शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा सुधार होने की उम्मीद है। लंबे समय से ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझ रहे लोगों को अब आवागमन में काफी राहत मिलेगी। उद्घाटन समारोह में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आधुनिक और सुदृढ़ आधारभूत ढांचे के निर्माण के लिए लगातार कार्य कर रही है। गोरखपुर में विकसित हो रहा सड़क नेटवर्क न केवल शहर के भीतर आवागमन को आसान बनाएगा, बल्कि व्यापार, उद्योग और क्षेत्रीय विकास को भी नई गति देगा। सिक्स लेन फ्लाईओवर के संचालन से शहर के प्रमुख मार्गों पर वाहनों का दबाव कम होगा, यात्रा का समय घटेगा और ईंधन की भी बचत होगी। इसके साथ ही दुर्घटनाओं की संभावना में कमी आने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों ने फ्लाईओवर के उद्घाटन पर खुशी जताते हुए इसे गोरखपुर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। यह फ्लाईओवर शहर की आधुनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ गोरखपुर को एक विकसित और सुव्यवस्थित महानगर के रूप में नई पहचान दिलाने में भी अहम भूमिका निभाएगा।

प्रदेश सरकार द्वारा सडकों के निर्माण के लिए पारित किया जाएगा 99.16 लाख का बजट

सुभाष सुधा थानेसर के लोगों को सडकों से सम्बन्धित समस्याओं से मिलेगी निजात।

अमन लेखनी समाचार

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रदेश सरकार की तरफ से सडकों के निर्माण के लिए 99.16 लाख रुपए का बजट पारित किया जाएगा है। इन सडकों के निर्माण की जिम्मेवारी लोक निर्माण विभाग को सौंपी गई है। इन सडकों के निर्माण से शहर के लोगों को लाभ मिलेगा और सडकों से सम्बन्धित समस्याओं से निजात भी मिलेगी। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा बुधवार को निवास कार्यालय पर कार्यकताओं से बातचीत करने उपरांत बोल रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से ही थानेसर हल्का का चहुंमुखी विकास कार्य 3 गुणा गति के साथ किया जा रहा है। इस हल्का में सडकों का निर्माण कार्य किया जाएगा। इस कार्य के लिए प्रदेश सरकार की तरफ से शहर में सडक निर्माण को लेकर 99.16 लाख रुपए का बजट पारित किया जाएगा। इस कार्य को लोक निर्माण विभाग की तरफ से जल्द शुरू किया जाएगा और निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष फोकस रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग की तरफ से गांधी नगर, नगर परिषद थानेसर में प्रताप के घर से बाईपास रोड तक आईपीबी सडक के निर्माण एवं पीवीसी पाइप बिछाने के कार्य पर 12.57 लाख रुपये की राशि व्यय की जाएगी। गांधी नगर, नगर परिषद थानेसर में लाडेन के घर से बिशु के घर तक, सुमन देवी के घर से रोशन के घर तक, शेर सिंह के घर से सतपाल के घर तक तथा पीडब्ल्यूडी मुख्य सडक से नरेंद्र के घर तक आईपीबी सडकों के निर्माण कार्य पर 29.61 लाख रुपये की राशि व्यय की जाएगी इसके अलावा गांधी नगर, नगर परिषद थानेसर में राजिंदर के घर से डेविड के घर तक, राजिंदर पंडित के घर से करण चावला के घर तक, मीना के घर से हनुमान मंदिर तक तथा राजा राम के घर से बलराज के घर तक आईपीबी सडकों के निर्माण कार्य पर 32.66 लाख रुपये की राशि व्यय की जाएगी। उन्होंने कहा कि वार्ड नं. 3 नगर परिषद थानेसर में 24.32 लाख की लागत से इंटरलॉकिंग पेवर ब्लॉक (आईपीबी) सडकों का निर्माण कार्य किया जाएगा। इसके अलावा वेदपाल के घर से जसवीर के घर तक, राजू रंगा के घर होते हुए। झांसा रोड से सुरेंद्र के घर तक, मेवा राम के घर से सतीश के घर तक, कालीराम के घर से गुलशन किरयाना स्टोर तक सडक निर्माण कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से थानेसर हल्का के विकास का सैंकडों करोड का बजट खर्च किया जा चुका है। इस सरकार ने गांव और शहरों के हर वार्ड का सामान रूप से विकास कार्य करवाया है। इस सरकार ने सबका साथ सबका विकास की नीति को आधार मानकर विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाने का काम किया है। इस सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि समाज के अंतिम व्यक्ति को सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का फायदा मिले।

वित्तीय वर्ष 2026-27 की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं के लिए जारी की गयी समय सारणी-11 अगस्त से आवेदन की प्रक्रिया शुरू

कक्षा 9 से उच्च शिक्षण संस्थानों तक के छात्र-छात्राओं के लिए जारी हुई समय-सारिणी।

निर्धारित तिथियों के भीतर आवेदन एवं सत्यापन कराने की अपील।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति तथा शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं के अंतर्गत कक्षा 9 से उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत उत्तर प्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के पात्र छात्र-छात्राओं हेतु ऑनलाइन आवेदन की समय-सारिणी जारी कर दी गई है। जनपद सोनभद्र के पात्र छात्र-छात्राएं ६६६.२ूँङ्ग्रङ्मत्र२ँस्र४स्र.ङ्ग५.ल्ल पोर्टल पर निर्धारित तिथियों के अनुसार ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे तथा आवेदन की हार्ड कॉपी आवश्यक अभिलेखों सहित संबंधित शिक्षण संस्थान में जमा करेंगे। कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राओं के लिए नवीन एवं नवीनीकरण आवेदनों की प्रक्रिया 11अगस्त 2026 से प्रारंभ होगी। शिक्षण संस्थानों द्वारा ऑनलाइन आवेदनों का सत्यापन, विद्यार्थियों का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण तथा जिला विद्यालय निरीक्षक स्तर से आवेदन अग्रसारित किए जाएंगे। इसके उपरांत एनआईसी लखनऊ द्वारा स्क्रूटनी, संबंधित विभागों द्वारा सत्यापन तथा जनपद स्तरीय छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति की संस्तुति के बाद पात्र छात्र-छात्राओं के खातों में जनवरी 2027 के अंतिम सप्ताह में छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति की धनराशि हस्तांतरित की जाएगी। इसी प्रकार इंटरमीडिएट से ऊपर की उच्च कक्षाओं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए भी नवीन एवं नवीनीकरण आवेदनों की ऑनलाइन प्रक्रिया 15 सितम्बर 2026 से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित की जाएगी। शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों एवं संबद्ध एजेंसियों द्वारा आवेदन सत्यापन, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण तथा पात्र आवेदनों के अग्रसारण की कार्रवाई समयबद्ध रूप से की जाएगी। सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण होने के उपरांत पात्र छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति की धनराशि जनवरी 2027 में भेजी जाएगी।

इस्कॉन की भव्य जगन्नाथ रथ यात्रा आज, धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र नगरी मे सजकर तैयार

क्रेन के माध्यम से अर्पित होगा 56 भोग।

अमन लेखनी समाचार

कुरुक्षेत्र। धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में आज 25 जुलाई को इस्कॉन द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी की भव्य वार्षिक रथ यात्रा निकाली जाएगी। पुरी की विश्वप्रसिद्ध रथ यात्रा की तर्ज पर आयोजित होने वाले इस महोत्सव में हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। हरिनाम संकीर्तन, पुष्पवर्षा, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं विशाल भंडारे के साथ यह उत्सव पूरे नगर को भक्तिमय वातावरण में सराबोर कर देगा। इस्कॉन कुरुक्षेत्र के अध्यक्ष श्रीमान साक्षी गोपाल प्रभुजी ने बताया कि रथ यात्रा का शुभारंभ ज्योतिसर स्थित श्री कृष्ण अर्जुन मंदिर में भगवान की विशेष पूजा-अर्चना एवं महाआरती के साथ होगा। इसके पश्चात भगवान श्री जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी का भव्य रथ नगर भ्रमण के लिए निकलेगा। श्रद्धालु भगवान के रथ की रस्सी खींचकर उनके दिव्य दर्शन का लाभ प्राप्त करेंगे।

कार्यक्रम की रूपरेखा

रथ यात्रा महोत्सव के अंतर्गत प्रातःकाल से ही श्री कृष्ण अर्जुन मंदिर, ज्योतिसर में विशेष पूजा-अर्चना एवं दर्शन का क्रम प्रारंभ होगा। दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक भगवान श्री जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी की विशेष महाआरती, कीर्तन एवं महाप्रसाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सायंकाल 5 बजे श्री व्यास गौड़ीय मठ, ब्रह्मसरोवर से भगवान का भव्य रथ नगर भ्रमण के लिए प्रस्थान करेगा। रथ यात्रा ब्रह्मसरोवर, जाट धर्मशाला, थीम पार्क, गुरुद्वारा चौक, रेलवे रोड, खंडा चौक होते हुए सेक्टर-13 स्थित कम्युनिटी सेंटर पहुंचेगी, जहां विशाल भंडारे एवं महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। यात्रा मार्ग पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा भगवान का स्वागत किया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद, शीतल पेय एवं अन्य सेवा व्यवस्थाएं भी की गई हैं।

क्रेन के माध्यम से अर्पित होगा 56 भोग

रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ को विशेष रूप से 56 प्रकार के भोग अर्पित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए यह विशेष आकर्षण का केंद्र होगा, जब क्रेन की सहायता से ऊंचाई पर विराजमान भगवान को भव्य छप्पन भोग समर्पित किया जाएगा। इस दौरान हरिनाम संकीर्तन एवं जयघोषों से पूरा वातावरण गुंजायमान रहेगा।

हरिनाम संकीर्तन, पुष्पवर्षा और स्वागत मंच रहेंगे आकर्षण

रथ यात्रा मार्ग पर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों द्वारा स्वागत मंच लगाए जाएंगे। अनेक स्थानों पर भगवान के रथ पर पुष्पवर्षा की जाएगी तथा श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेय एवं प्रसाद वितरण की व्यवस्था रहेगी। यात्रा में इस्कॉन के भक्त मधुर हरिनाम संकीर्तन करते हुए आगे बढ़ेंगे, जिससे संपूर्ण नगर में आध्यात्मिक उत्साह का वातावरण बनेगा। पूरा यात्रा मार्ग सजकर तैयार हो चुका है। इस्कॉन कुरुक्षेत्र के उपाध्यक्ष श्रीमान मोहन गौरचंद्र प्रभुजी ने बताया कि शास्त्रों में वर्णित है कि भगवान श्रीकृष्ण से विरह में व्याकुल वृंदावनवासियों ने कुरुक्षेत्र में सूर्यग्रहण के समय उनसे मिलकर उन्हें पुनः वृंदावन ले जाने की इच्छा व्यक्त की थी।

NEET परीक्षा, छात्रों के भविष्य एवं आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा को लेकर प्रधानमंत्री को भेजा खुला पत्र

अमन लेखनी समाचार

रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र। संयुक्त अधिवक्ता महासंघ, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को एक खुला पत्र प्रेषित कर देश में NEET परीक्षा की पारदर्शिता, छात्रों के भविष्य तथा आरक्षण व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की आवश्यकता पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। श्री मिश्र ने अपने पत्र में कहा है कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर NEET परीक्षा को लेकर चल रहे आंदोलन ने देशभर के विद्यार्थियों और अभिभावकों की चिंताओं को सामने लाया है। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य जैसे अत्यंत संवेदनशील विषय को राजनीतिक लाभ-हानि का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार सभी को है, किंतु छात्रों की समस्याओं का समाधान राजनीतिक टकराव के बजाय निष्पक्ष पारदर्शी और न्यायपूर्ण व्यवस्था से होना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि यदि NEET परीक्षा में किसी प्रकार की अनियमितता, पेपर लीक अथवा अन्य त्रुटियाँ हुई हैं तो उनकी समयबद्ध एवं निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए, साथ ही मेहनती एवं ईमानदार विद्यार्थियों के भविष्य की भी पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। अपने पत्र में श्री मिश्र ने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि देश में आरक्षण व्यवस्था की व्यापक एवं निष्पक्ष समीक्षा पर राष्ट्रीय स्तर पर विचार किया जाए। उनका मत है कि आर्थिक रूप से कमजोर प्रत्येक नागरिक को शिक्षा, स्वास्थ्य, छात्रवृत्ति, आवास एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का पूरा लाभ मिलना चाहिए, किंतु उच्च शिक्षा एवं सरकारी सेवाओं में चयन की प्रक्रिया में योग्यता, क्षमता, प्रतिभा और परिश्रम को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक युवा को यह विश्वास हो कि उसकी सफलता का आधार उसकी मेहनत और योग्यता होगी तथा परीक्षा प्रणाली पूर्णतः पारदर्शी, विश्वसनीय एवं तकनीकी रूप से सुरक्षित होगी। श्री मिश्र ने प्रधानमंत्री से शिक्षा एवं रोजगार से संबंधित नीतियों पर व्यापक राष्ट्रीय संवाद प्रारंभ करने तथा ऐसी व्यवस्था विकसित करने का आग्रह किया है जिससे प्रत्येक विद्यार्थी का विश्वास सुदृढ़ हो और राष्ट्र निर्माण में प्रतिभा को सर्वोच्च स्थान प्राप्त हो।

दुद्धी पुलिस द्वारा 05 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा के साथ 02 तस्कर गिरफ्तार

कब्जे से एक मोबाइल फोन बरामद

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक दुद्धी धर्मेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना दुद्धी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 22.07.2026 को थाना दुद्धी पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्ति, संदिग्ध वाहन एवं अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु विनोद मोड़, अमवार पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान दो व्यक्ति पैदल पिट्ठू बैग लेकर आते दिखाई दिए। पुलिस टीम द्वारा रोककर तलाशी लेने पर उनके कब्जे से दो पिट्ठू बैगों में कुल 05 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा तथा एक अदद पोको कंपनी का मोबाइल फोन बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर दोनों अभियुक्तों को दिनांक 22.07.2026 को रात्रि 23:58 बजे गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुए आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूर्ण कर माननीय न्यायालय, सोनभद्र के समक्ष पेश किया गया।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक–
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

3 घंटे में जननायकन ने छू लिया देश का हर मुद्दा

नई दिल्ली। थलापति विजय की तीन घंटे तीन मिनट की फिल्म जननायकन रिलीज हो गई है। फिल्म ने देश का मुद्दा छू लिया है। ये पूरी तरह से एक मासी फिल्म है जिस तरह की फिल्मों के लिए विजय को पहचाना जाता है। फिल्म में भ्रष्टाचार की मिसाल के तौर पर प्रमुखता से आते हैं प्रकाश राज. किस तरह से राजनीति के नाम पर जनता को ठगा जाता है और भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जाता है, उसके वो प्रतीक हैं। अक्सर नकली शराब से लोगों की मौत की खबरें आती है। फिल्म में जब थलापति विजय इंस्पेक्टर होते हैं तो वो जहरीली शराब पर लगाम कसने की कोशिश करते हैं और कामयाब भी होते हैं।

लाइफ Style

तेजस्विनी

आईवीएफ से बदल गया शरीर का शेफ

मॉडल और एक्ट्रेस तेजस्विनी कोल्हापुरे ने पहली बार आईवीएफ के दौरान झेली गई मुश्किलों के बारे में खुलकर बात की है। पद्मिनी कोल्हापुरे की छोटी बहन और श्रद्धा कपूर व सिद्धांत कपूर की मौसी तेजस्विनी ने बताया कि मां बनने का उनका सफर बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने कहा, 'इसका मुझ पर शारीरिक और मानसिक रूप से बहुत बुरा असर पड़ा।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मैं तब जैसी थी और अब जैसी हूं, उसमें काफी फर्क आ गया है। मानसिक रूप से मैं पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हूं। शारीरिक रूप से, इतने सारे इंजेक्शन की वजह से मेरे शरीर का आकार ही बदल गया है। मैंने 1000 से ज्यादा इंजेक्शन लगवाए। अगर आपकी प्रेग्नेंसी पॉजिटिव आती है तो इंजेक्शन बंद कर दिए जाते हैं। लेकिन, मेरा नहीं हुआ। इसलिए, मैंने इसे पांच बार किया। पांचवीं बार मैं लकी रही। इस बीच मेरे दो मिसकैरेज हुए। आप मानसिक रूप से टूट जाते हैं। यह एक मुश्किल वक्त था।' उन्होंने कहा कि आईवीएफ के दौरान उन्हें शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा और यह उनके जीवन का सबसे कठिन समय था। तेजस्विनी ने बताया कि उन्होंने एक-दो नहीं बल्कि पांच बार आईवीएफ कराया। उनके मुताबिक यह प्रक्रिया बेहद दर्दभरी होती है और हर बार क्लिनिक जाकर इंजेक्शन लगवाना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि इसके लिए इंसान को मानसिक रूप से बहुत मजबूत बनना पड़ता है। साथ ही उन्होंने महिलाओं को सलाह दी कि अगर संभव हो तो 35 साल की उम्र से पहले परिवार बढ़ाने की योजना बना लेनी चाहिए।

हॉलीवुड मसाला

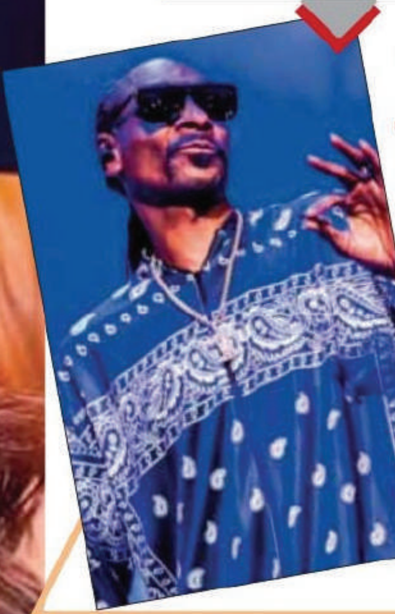

बायोपिक की रिलीज डेट का ऐलान

लॉस एंजिल्स। रैप आइकन और एक्टर स्नूप डॉग की जिंदगी पर बनने वाली बायोपिक अब आधिकारिक तौर पर आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूनिवर्सल पिक्चर्स इस फिल्म को 6 अगस्त 2027 को रिलीज करेगा। यह फिल्म स्नूप डॉग के एक कलाकार से लेकर बड़े म्यूजिक मोगुल और गैंगस्टा रैप आइकन बनने तक के सफर को दिखाएगी। इस फिल्म को क्रेग ब्रेवर डायरेक्ट करेंगे, जो 'हसल एंड फ्लो' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। स्क्रिप्ट को उन्होंने जो रॉबर्ट कोल की ओरिजिनल कहानी पर दोबारा लिखा है।

डेडपूल में फिर वेड विल्सन बनकर लौटेंगे रयान...

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड स्टार रयान रेनॉल्ड्स ने कन्फर्म किया है कि नई 'डेडपूल' फिल्म पर काम शुरू हो चुका है और वह एक बार फिर वेड विल्सन के किरदार में नजर आएंगे। रयान ने यह जानकारी फैनैटिक्स फेस्ट 2026 के दौरान दी। इससे पहले वह ह्यू जैकमैन के साथ 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' में नजर आए थे, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इवेंट के दौरान रयान ने कहा कि फिल्मों में अभी भी कॉमिक्स के कई दिलचस्प हिस्से दिखाना बाकी है। उन्होंने बताया, 'ऐसी कई चीजें हैं जो फिल्मों में अभी तक नहीं दिखीं। कुछ शानदार काम फैबियन निकीजा और गेरी डग्गन जैसे राइटर्स ने किया है, जिन्हें मैं बहुत पसंद करता हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'कुछ नया आने वाला है... और हां, आगे चलकर एक और 'डेडपूल' फिल्म जरूर बनेगी। यह बहुत शानदार होगी।'

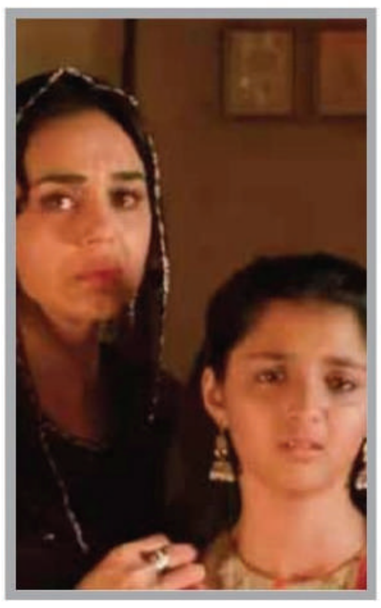

कहां चले गए.. गाने में प्रीति की आंखें नम

मुंबई। 'बंटवारा 1947' का पहला गाना 'कहां चले गए हो राम' रिलीज हो गया है। यह एक दिल को छू लेने वाला म्यूजिकल ट्रिब्यूट है जो फिल्म की इमोशनल कहानी को दिखाता है। यह गाना फिल्म की इमोशनल भावना को बहुत अच्छे से दिखाता है और एक मां के प्यार, तड़प और अटूट विश्वास को दिल को छू लेने वाले अंदाज में पेश करता है। वीडियो की शुरुआत सनी देओल और प्रीति जिंटा के शबाना आजमी के पीछे खड़े होने से होती है, जो भगवान राम से पूरे दिल और शालीनता के साथ प्रार्थना कर रही हैं। इसके बाद एक शानदार पार्टी के सीन दिखाए जाते हैं। इसे ए.आर. रहमान ने कंपोज किया है और इसके बोल मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने लिखे हैं। इस दिल को छू लेने वाले गाने को अनुराधा पौडवाल और शान की सदाबहार आवाजों ने जीवंत किया है।

रोमांचकम का पहला गाना रिलीज...

नई दिल्ली। साउथ सिनेमा के मशहूर निर्देशक वेणु गोपाल रेड्डी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'रोमांचकम' का पहला गाना 'राधा रमना' गुरुवार को रिलीज कर दिया गया। गाने को वासुकी वैभव ने अपनी आवाज देने के साथ-साथ संगीतबद्ध भी किया है और बोल चंद्रबोस ने लिखे हैं। कुछ हफ्ते पहले निर्माताओं द्वारा फिल्म की एक झलक जारी किए जाने के बाद फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। इसकी शुरुआत में सुमंत प्रभास और अनंतिका सनिल कुमार के किरदारों को एक-दूसरे के प्यार में पूरी तरह डूबा हुआ दिखाया गया है। शुरुआत देखकर लगता है कि यह जोड़ी एक-दूसरे के लिए ही बनी है, लेकिन वीडियो के दूसरे हिस्से में दोनों किरदार एक-दूसरे से नफरत करने लगते हैं। फिल्म में अभिनेता उपेंद्र लिमये का किरदार भी दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाता है।

टीवी मसाला

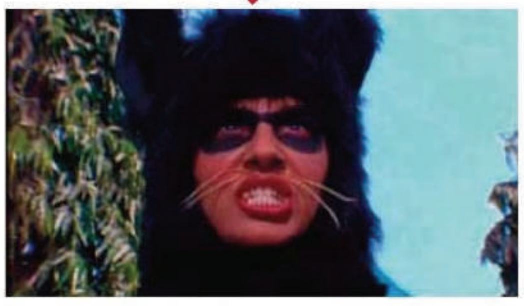

दूरदर्शन के इस शो ने बच्चे-बच्चे को था सुधारा

नई दिल्ली। 90 के दशक का पॉपुलर शो 'शक्तिमान' बच्चों का पसंदीदा शो था। जब टीवी पर शक्तिमान आता तो मोहल्ले की गलियां शांत हो जातीं। ये शो आज भी कई लोगों की यादों में ताजा है। शो में मुकेश खन्ना ने दो अलग-अलग किरदार निभाए थे। एक किरदार था सुपर शक्तिमान और दूसरा फिल्म जर्नलिस्ट पंडित गंगाधर विद्याधर मायाधर ओंकारनाथ शास्त्री. यह शो न सिर्फ बच्चों का मनोरंजन करता था बल्कि बच्चों को अच्छी बातें भी सिखाता था। बच्चों का यह फेवरेट सुपरहीरो सीरियल केवल और केवल मुकेश खन्ना की मेहनत का नतीजा था। इस शो के लिए मुकेश ने सब कुछ दांव पर लगा दिया। फंड की कमी हुई तो उन्होंने कर्ज तक लिया। मुकेश खन्ना ने एक इंटरव्यू में बताया कि शो बनाने का आइडिया उनके पड़ोस में रहने वाले एक बच्चे के खिलौनों को देखकर आया। बच्चा अपने खिलौनों के साथ खेलता ही नहीं, उन्हें साफ-सुथरा भी रखता था। इससे उनके मन में भारत का अपना सुपरहीरो कैरेक्टर बनाने का ख्याल जगा। उस समय सुपरहीरो शो बनाने के लिए काफी पैसे की जरूरत थी, जो उनके पास नहीं था। ऐसे में उन्होंने एक शख्स से 75 लाख रुपए उधार लिए। शो सक्सेसफुल होने के बाद उन्होंने वे पैसे लौटाए और उस शख्स ने मुकेश से कोई ब्याज भी नहीं लिया। 13 सितंबर 1997 को दूरदर्शन पर शुरू हुआ 'शक्तिमान' जल्द ही बच्चों का पसंदीदा शो बन गया। इसकी टीआरपी भी बहुत अच्छी थी। लेकिन, शो की सक्सेस के साथ दूरदर्शन ने टेलीकास्ट फीस बढ़ा दी, जिससे मुकेश खन्ना को भरी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

रात होते ही इस शहर में निकल आते हैवान

नई दिल्ली। अगर आपको वेब सीरीज देखना पसंद है और आपकी फेवरेट लिस्ट में डार्क, स्ट्रेंजर थिंग और लॉस्ट जैसी मिस्ट्री और हॉरर वेब सीरीज शामिल हैं, तो फ्रॉम आपके लिए एक परफेक्ट बिंज वॉच सीरीज साबित हो सकती है। अगर आप भी लंबी वेब सीरीज की तलाश मे हैं तो ये आपके लिए बिल्कुल परफेक्ट है। साल 2022 में अमेजन प्राइम वीडियो पर आई फ्रॉम को दुनिय की सबसे फेमस हॉरर-मिस्ट्री सीरिजों में से एक में गिना जाता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत ये है कि इसके हर सीजन में आपको एक अलग ही एंगल देखने को मिलेगा और इसका रहस्य गहराता जाएगा। ये कहानी है एक ऐसे रहस्यमयी छोटे शहर की है जहां पहुंच जाने पर उस शहर से कोई कभी वापस नहीं जा पाता है। इस शहर से बाहर निकलने के लिए कोई भी रास्ता चुनो, लेकिन वापस वो आपको उसी जगह पर ले आता है।

इस वीकएंड ओटीटी पर देख पाएंगे दिलचस्प फिल्में और सीरीज

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमाघरों में हॉलीवुड फिल्म द ओडिसी धमाका कर रही है। विजय की फिल्म जन नायकन भी दस्तक दे चुकी है। मनोरंजन के शौकीनों के पास बारिश के इस सुहाने मौसम में थिएटर जाने के पर्याप्त विकल्प हैं। लेकिन, वीकएंड पर अगर आप घर बैठे ओटीटी पर ही कुछ शानदार सिनेमा देखना चाहते हैं तो इस बार ओटीटी पर भी खूब बहार रहेगी।

आदर्श बाल विद्यालय

हिमांक गौर के निर्देशन में बनी कॉमेडी-ड्रामा सीरीज आदर्श बाल विद्यालय आप इस वीकएंड देख सकते हैं। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर 24 जुलाई से स्ट्रीम होगी। सीरीज में केके मेनन, अर्चना पूरन सिंह, नवीन कस्तूरिया, प्रसन्ना बिष्ट, देवेन भोजानी, अजितेश गुप्ता, अन्नपूर्णा सोनी, प्राची शाह और अभिमन्यु सिंह नजर आएंगे।

मुसाफिर कैफे

विक्रांत मैसी, वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना की 'मुसाफिर कैफे' इस वीक की बहुप्रतीक्षित

सीरीज है। यह इस फ्राइडे रिलीज हो रही है। इसकी कहानी चंदर (विक्रांत मैसी) सुधा (वेदिका पिंटो) और प्रीति (महिमा मकवाना) के इर्द-गिर्द है। यह रोमांटिक सीरीज 24 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

पल्लीचट्टंबी

टोविनो थॉमस और कायाडू लोहार की मलयालम भाषा की पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'पल्लीचट्टंबी' भी इस शुक्रवार को ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह 15 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब 24 जुलाई से यह सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी।

स्टुअर्ट फेल्स टू सेव द यूनिवर्स'

'स्टुअर्ट फेल्स टू सेव द यूनिवर्स' भी 24 जुलाई से ओटीटी पर आ रही है। यह 'द बिग बैंग थ्योरी' के स्पिन-ऑफ के रूप में बनी साइंस-फिक्शन कॉमेडी सीरीज है, जिसके 10 एपिसोड्स हैं। इसमें स्टुअर्ट ब्लूम (केविन सुसमन) को एक बहु-ब्रह्मांडीय संकट से दुनिया को बचाना है। यह जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

ब्लीच-थाउजेंड-ईयर ब्लड वॉर

इसका लुत्फ भी आप इस वीकएंड उठा सकते हैं। यह सीरीज 25 जुलाई, 2026 से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इस शो की पूरी कहानी सोल रीपर्स और क्विंसी साम्राज्य की आपसी दुश्मनी के इर्द-गिर्द घूमती है।

72 आवर्स

यह एक अमेरिकी कॉमेडी फिल्म है। इसका निर्देशन टिम स्टोरी ने किया है। इसमें केविन हार्ट लीड रोल में है। उनके अलावा मार्सेलो हर्नांडिज, मेसन गुडिंग, कैम पैटरसन, बेन मार्शल सहित कई और सितारे भी हैं। यह फिल्म 24 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

किल के बाद बदल गया लोगों का नजरिया : राघव

मुंबई। एक वक्त था, जब ज्यादातर लोग राघव जुयाल को डांसर, एंकर या टीवी चेहरे के तौर पर जानते थे। फिर साल 2024 में आई फिल्म 'किल'। इसमें निभाए उनके किरदार ने न सिर्फ ऑडियंस को चौंकाया, बल्कि इंडस्ट्री को भी उन्हें नए नजरिए से देखने पर मजबूर कर दिया। अब राघव पहली बार फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' में लीड हीरो बनकर बड़े पर्दे पर आ रहे हैं। हालांकि, इस पूरे सफर में अगर कोई चीज उन्हें सबसे ज्यादा खुशी देती है, तो वह माता-पिता के चेहरे पर दिखने वाला गर्व है। राघव कहते हैं कि संघर्ष उन्होंने पहले भी किया था, लेकिन 'किल' के बाद पहली बार उन्हें महसूस हुआ कि लोग उन्हें अलग नजर से देखने लगे हैं। 'जब आप एक कदम आगे बढ़ते हो तो सबको प्रूव करना पड़ता है। मां-बाप को भी और इंडस्ट्री को भी। मुझे भी प्रूव करना पड़ा। 'किल' के बाद मेरे लिए लोगों का परसेप्शन रातों-रात बदल गया। ऐसा बदलाव मैंने अपने एक्सपीरियंस में पहले कभी नहीं देखा था। कपिल शर्मा भाई ने भी मुझसे कहा था कि 'जो परसेप्शन चेंज तू कर रहा है, वो बहुत अलग है।' टीवी इंडस्ट्री के जितने भी लोग थे, सबने फोन किया। सब कह रहे थे कि पता नहीं क्यों, लेकिन ऐसा लग रहा था कि हमने भी ये क्रैक कर दिया। वो इमोशन मेरे लिए बहुत बड़ा था।' राघव मानते हैं कि उनके करियर की सबसे बड़ी ताकत टैलेंट से पहले आत्मविश्वास रहा। 'यही चीज मुझे मोटिवेट करती रही कि मैं हमेशा अपने ऊपर भरोसा करता रहा। इतने साल साइड में रहा, लेकिन मेरे अंदर से कभी ये चीज नहीं गई कि मुझे यही बनना है। मैं कभी मीडियोकर माइंडसेट में नहीं रहा। 16 साल बहुत लंबा वक्त होता है, लेकिन जब तुम अंदर से सोच लेते हो कि तुम यही हो, तो धीरे-धीरे बाहर भी वही होने लगता है।' राघव अपने संघर्ष को किसी शिकायत की तरह नहीं, बल्कि सीख की तरह देखते हैं। 'लाइफ में अनफेयर चीजें होती हैं।

रंग दे बसंती से लेकर युवा तक, सोशल मीडिया में कई फिल्मों के सीन हो रहे वायरल

इन बॉलीवुड फिल्मों में दिखा विरोध प्रदर्शन का नया रूप

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर इन दिनों रंग दे बसंती से लेकर द लीजेंड ऑफ भगत सिंह जैसी फिल्मों के कई सीन वायरल हैं। वजह है दिल्ली के जंतर-मंतर पर हो रहा विरोध प्रदर्शन। प्रदर्शन के अलावा सोशल मीडिया पर विरोध जताने के लिए यूजर्स कई फिल्मों के अहम सीन भी शेयर करके अपने मन की बात बयां कर रहे हैं। भारतीय सिनेमा में भी कई ऐसी फिल्में बनी हैं जिनमें युवाओं को विरोध प्रदर्शन करते दिखाया गया है। आमिर खान की फिल्म रंग दे बसंती से लेकर मैं आजाद हूं तक कई फिल्मों मे इसकी झलक देखने के मिली है।

रंग दे बसंती : फिल्म रंग दे बसंती 2006 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में युवाओं के प्रदर्शन की ताकत को दिखाया था। फिल्म की कहानी कॉलेज लाइफ का लुफ्त उठाने वाला एक ग्रुप के बारे में थी, जो हमेशा राजनीति से दूर रहता है। एक डॉक्यूमेंट्री की शूटिंग करते वक्त वह स्वतंत्रता के लिए वह देश की आजादी के लिए लड़ने वाले चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरु, अशफाकुल्लाह खान और बिस्मिल के किरदार के बारे में पढ़ते और जानते हैं। आगे जब उनका एक दोस्त विमान हादसे में मारा जाता है उसके उन्हें लोकतंत्र का महत्व समझ आता है। युवा पीढ़ी पर बनी यह फिल्म दर्शकों को काफी पसंद आई थी। फिल्म का निर्देशन राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने किया था। इसमें आमिर खान, सोहा अली खान, आर माधवन और शरमन जोशी जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में थे।

नो वन किल्ड जेसिका : मशहूर जेसिका लाल हत्याकांड पर बनी फिल्म 'नो वन किल्ड जेसिका' में एकता की शक्ति को दिखाया गया है। फिल्म की कहानी जेसिका को न्याय दिलाने पर आधारित थी। जेसिका एक बार टेंडर थीं, जिनकी एक नेता के बेटे ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। फिल्म में जेसिका के निधन के बाद उसकी बहन सबरीना को न्याय पाने के लिए संघर्ष करते दिखाया गया है। इस फिल्म ने दिखाया कि शांतिपूर्ण ढंग से भी प्रदर्शन किया जा सकता है। जेसिका के हत्यारों को सजा दिलाने के लिए युवाओं और लोगों द्वारा किए गए कैंडल मार्च से लेकर पोस्टर मार्च तक, फिल्म मे सच्चाई की जंग को दिखाया गया। इस फिल्म में विद्या बालन और रानी मुखर्जी मुख्य किरदार में थीं, निर्देशक राज कुमार गुप्ता थे।

हासिल : फिल्म 'हासिल' 2003 में रिलीज हुई थी। फिल्म के निर्देशन तिग्मांशु धूलिया ने किया था। कहानी प्रयागराज स्थित यूनिवर्सिटी में होने वाली स्टूडेंट पॉलिटिक्स के उतार-चढ़ाव के बारे थी। इसमें लव स्टोरी भी दिखाई गई जो इन सबके बीच फंसी हुई है। फिल्म स्टूडेंट पॉलिटिक्स के मुद्दे, एक्टिविज्म और जागरुकता को एक सधे हुए तरीके से पेश करती है। इसके साथ ही लोकतंत्र में युवाओं के भविष्य का महत्व भी समझाती है। फिल्म में जिमी शेरगिल, इरफान खान और आशुतोष राणा जैसे कलाकार मुख्य किरदारों में थे।

__युवा__ : फिल्म 'युवा' 2004 में रिलीज हुई थी। इसकी कहानी समाज मे होने वाली गुंडागर्दी और उसका कॉलेज मे पढ़ने वाले बच्चों पर होने वाले प्रभाव को भी दिखाया गया। अजय देवगन ने फिल्म में कॉलेज मे पढ़ने वाले लड़के माइकल का किरदार निभाया। माइकल, जो कॉलेज का स्टूडेंट लीडर भी है और समाज में बदलाव भी लाना चाहता है पर राजनैतिक भ्रष्ट नेताओं के कारण वह कई मुश्किलों से घिरा रहता है। माइकल पर कई हमले होते हैं। मगर वो उसका मनोबल नहीं तोड़ पाते। फिल्म का निर्देशन मणि रत्नम ने किया था। इसमें अजय के अलावा अभिषेक बच्चन, विवेक ओबेरॉय, रानी मुखर्जी, करीना कपूर और एशा देओल जैसे कलाकार थे।

__मैं आजाद हूं__ : फिल्म मैं आजाद हू 1989 में रिलीज हुई थी। फिल्म का गाना 'इतने बाजू इतने सर' काफी मशहूर हुआ था। इस गाने को अमिताभ बच्चन ने खुद गाया था। फिल्म में एक महिला पत्रकार की करप्शन के खिलाफ जंग और और उसमें एक साधारण इंसान के भागदौड़ को दिखाया गया। फिल्म की पटकथा समाजिक एकता और संघर्ष के खिलाफ होने वाली लड़ाई से प्रभावित है। इस फिल्म में शबाना आजमी और अमिताभ बच्चन ने मुख्य किरदार निभाया था।